Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

ALQURAN is the Truth, الحق من ربك

,సత్యవాక్కులు,कुरान ही सच्चाई

Caution:_

SACRILEGE, BLASHPHEMY leads to HELL

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

.*******

Allaahu .s.w.t. Is neither Parwardegar Nor Khuda, nor .....A.....Miyyah

There are the most beautiful Asmaaul_Husnaa_for invocation,Those who use Majoisy Raafedy Jeheemy terminology to describe islaam will get a befitting Punishment Later on ..SAUFA تعلمونT'ALAMOON(know) wa SAUFAتألمون talamoon(Feel the pain of Torment)

Read Allah as Allaahu .s.w.t.

Read Namaz as AsSalah, Roza As AsSaum,

Darood as AsSalaatu wAsSalaam, etc

None has the right to Change The Divine

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Quraanic Istelahaat.i.e,Technical Terms Prescribed by AlMighty ..

“We were created to worship Allaahu.ﷻ,swt,only, and not to earn money or gain worldly honour,”

“Our Islamic system is God's system and we should stand by it. We have promised Allaahu.ﷻswt. that we will bring justice and Islamic law but we cannot do this if we are not united. The benefit of our disunity reaches the enemy; who takes advantage of our disunity.”

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

●✾●✾●✾●✾●✾●

What is Tableeghy J'mat doing in israel with 20 branches in occupied west bank and israel ????

.....gftl services to the MalUoon Yehudis?

.....Time is ticking away,
گزرا ہوا زمانا آتا نہي دوبارا....the
Need of the moment is to format our CPUs and Configure Our Lord ,ALLAAHU ﷻ With a Befitting Cofiguration,and to Correct our Navigational Course
.......got it?????
إسيقظ من غفلة و جهالة

✾ ✾ ✾ ✾

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

❁█❁███

▁▃▅█▁▃▅█Contents..... محتويات

▁▃▅█ ▁▃▅█ALQURAN is the Truth,من ربك ، الحقक़ुरान ही सच्चाई

▁▃▅█ الباطل

،AlBaatil, झूठी ... ،

▁▃▅█

AL-FAATIR,The CREATOR,LORD,

सृष्टिकर्ता,सर्व शक्तिमान,

▁▃▅█

स्क्रिप्चरल- Hypocrites ،اهل الكتاب

▁▃▅█

،عبد الطاغوتअब्दुताघूत,शायतानी परस्त्रीश

FALSEHOOD MONGERS

▁▃▅█

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Creation, जन्म, خلق ا نسان

Resurrection, पुनर जीवन, البعثة

ALQURAN is the Truth,الحق من ربك

،कुरान ही सच्चाई

Caution:-Read Allah as Allaahu .s.w.t.

Al-A'raaf (7:180)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلِلَّهِ ٱلْأَسْمَآءُ ٱلْحُسْنَىٰ فَٱدْعُوهُ بِهَا وَذَرُوا۟ ٱلَّذِينَ يُلْحِدُونَ فِىٓ أَسْمَٰٓئِهِۦ سَيُجْزَوْنَ مَا كَانُوا۟ يَعْمَلُونَ

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

আর আল্লাহর জন্য রয়েছে সব উত্তম নাম। কাজেই সে নাম ধরেই তাঁকে ডাক। আর তাদেরকে বর্জন কর, যারা তাঁর নামের ব্যাপারে বাঁকা পথে চলে। তারা নিজেদের কৃতকর্মের ফল শীঘ্রই পাবে।

And (all) the Most Beautiful Names belong to Allahﷻ, so call on Him by them, and leave the company of those who belie or deny (or utter impious speech against) His Names. They will be requited for what they used to do.

अच्छे नाम अल्लाह ही के है। तो तुम उन्हीं के द्वारा उसे पुकारो और उन लोगों को छोड़ो जो उसके नामों के सम्बन्ध में कुटिलता ग्रहण करते है। जो कुछ वे करते है, उसका बदला वे पाकर रहेंगे

Al-An'aam (6:56)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ إِنِّي نُهِيتُ أَنْ أَعْبُدَ ٱلَّذِينَ تَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ قُل لَّآ أَتَّبِعُ أَهْوَآءَكُمْ قَدْ ضَلَلْتُ إِذًا وَمَآ أَنَا۠ مِنَ ٱلْمُهْتَدِينَ

আপনি বলে দিনঃ আমাকে তাদের এবাদত করতে নিষেধ করা হয়েছে, তোমরা আল্লাহকে ছেড়ে যাদের এবাদত কর। আপনি বলে দিনঃ আমি তোমাদের খুশীমত চলবো না। কেননা, তাহলে আমি পথভ্রান্ত হয়ে যাব এবং সুপথগামীদের অন্তর্ভুক্ত হব না।

Say (O Muhammad SAW): "I have been forbidden to worship those whom you invoke (worship) besides Allahﷻ." Say: "I will not follow your vain desires. If I did, I would go astray, and I would not be one of the rightly guided."

कह दो, "तुम लोग अल्लाह से हटकर जिन्हें पुकारते हो, उनकी बन्दगी करने से मुझे रोका गया है।" कहो, "मैं तुम्हारी इच्छाओं का अनुपालन नहीं करता, क्योंकि तब तो मैं मार्ग से भटक गया और मार्ग पानेवालों में से न रहा।"

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Al-Israa (17:82)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَنُنَزِّلُ مِنَ ٱلْقُرْءَانِ مَا هُوَ شِفَآءٌ وَرَحْمَةٌ لِّلْمُؤْمِنِينَ وَلَا يَزِيدُ ٱلظَّٰلِمِينَ إِلَّا خَسَارًا

আমি কোরআনে এমন বিষয় নাযিল করি যা রোগের সুচিকিৎসা এবং মুমিনের জন্য রহমত। গোনাহগারদের তো এতে শুধু ক্ষতিই বৃদ্ধি পায়।

And We ﷻ send down from the Quran that which is a healing and a mercy to those who believe (in Islamic Monotheism and act on it), and it increases the Zalimun (इन्फिडेल-polytheists,अप्रेसर-Tyrants,मुजरिम-Criminals,अमानुष-wrong-doers) nothing but loss.

हम क़ुरआन में से जो उतारते है वह मोमिनों के लिए शिफ़ा (आरोग्य) और दयालुता है,

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

किन्तु ज़ालिमों के लिए तो वह बस घाटे ही में अभिवृद्धि करता है

Fussilat (41:41)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ بِٱلذِّكْرِ لَمَّا جَآءَهُمْ ۖ وَإِنَّهُۥ لَكِتَٰبٌ عَزِيزٌ

নিশ্চয় যারা কোরআন আসার পর তা অস্বীকার করে, তাদের মধ্যে চিন্তা-ভাবনার অভাব রয়েছে। এটা অবশ্যই এক সম্মানিত গ্রন্থ।

Verily, those who disbelieved in the Reminder (i.e. the Quran) when it came to them (shall receive the punishment). And verily, it is an honourable respected Book (because it is Allah'ﷻs Speech, and Heﷻ has protected it from corruption, etc.). (See V. 15:9]

जिन लोगों ने अनुस्मृति का इनकार किया, जबकि वह उनके पास आई, हालाँकि वह एक प्रभुत्वशाली किताब है, (तो न पूछो कि उनका कितना बुरा परिणाम होगा)

Fussilat (41:42)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَّا يَأْتِيهِ ٱلْبَٰطِلُ مِنۢ بَيْنِ يَدَيْهِ وَلَا مِنْ خَلْفِهِۦ ۖ تَنزِيلٌ مِّنْ حَكِيمٍ حَمِيدٍ

এতে মিথ্যার প্রভাব নেই, সামনের দিক থেকেও নেই এবং পেছন দিক থেকেও নেই। এটা প্রজ্ঞাময়, প্রশংসিত আল্লাহর পক্ষ থেকে অবতীর্ণ।

Falsehood cannot come to it from before it or behind it (it is) sent down by the All-Wise, Worthy of all praise (Allah ﷻ).

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

असत्य उस तक न उसके आगे से आ सकता है और न उसके पीछे से; अवतरण है उसकी ओर से जो अत्यन्त तत्वदर्शी, प्रशंसा के योग्य है

Fussilat (41:43)

بسم الله الرحمن الرحيم

مَّا يُقَالُ لَكَ إِلَّا مَا قَدْ قِيلَ لِلرُّسُلِ مِن قَبْلِكَ إِنَّ رَبَّكَ لَذُو مَغْفِرَةٍ وَذُو عِقَابٍ أَلِيمٍ

আপনাকে তো তাই বলা হয়, যা বলা হত পূর্ববর্তী রসূলগনকে। নিশ্চয় আপনার পালনকর্তার কাছে রয়েছে ক্ষমা এবং রয়েছে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি।

Nothing is said to you (O Muhammad SAW) except what was said to the Messengers before you. Verily, your Lord جَلَّ جَلَالُهُ is the Possessor of forgiveness, and (also) the Possessor of painful punishment.

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

तुम्हें बस वही कहा जा रहा है, जो उन रसूलों को कहा जा चुका है, जो तुमसे पहले गुज़र चुके है। निस्संदेह तुम्हारा रब बड़ा क्षमाशील है और दुखद दंड देनेवाला भी

Muhammad (47:2)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ وَعَمِلُواْ ٱلصَّٰلِحَٰتِ وَءَامَنُواْ بِمَا نُزِّلَ عَلَىٰ مُحَمَّدٍ وَهُوَ ٱلْحَقُّ مِن رَّبِّهِمْ كَفَّرَ عَنْهُمْ سَيِّـَٔاتِهِمْ وَأَصْلَحَ بَالَهُمْ

আর যারা বিশ্বাস স্থাপন করে, সৎকর্ম সম্পাদন করে এবং তাদের পালনকর্তার পক্ষ থেকে মুহাম্মদের প্রতি অবতীর্ণ সত্যে বিশ্বাস করে, আল্লাহ তাদের মন্দ কর্মসমূহ মার্জনা করেন এবং তাদের অবস্থা ভাল করে দেন।

But those who believe and do righteous good deeds, and believe in that which is sent down to Muhammad (SAW), for it is the truth from their

Lord ﷻ, He will expiate from them their sins, and will make good their state.

रहे वे लोग जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए और उस चीज़ पर ईमान लाए जो मुहम्मद पर अवतरित किया गया - और वही सत्य है उनके रब की ओर से - उसने उसकी बुराइयाँ उनसे दूर कर दीं और उनका हाल ठीक कर दिया

Muhammad (47:3)

بسم الله الرحمن الرحيم

ذَٰلِكَ بِأَنَّ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ ٱتَّبَعُوا۟ ٱلْبَٰطِلَ وَأَنَّ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ ٱتَّبَعُوا۟ ٱلْحَقَّ مِن رَّبِّهِمْ كَذَٰلِكَ يَضْرِبُ ٱللَّهُ لِلنَّاسِ أَمْثَٰلَهُمْ

এটা এ কারণে যে, যারা কাফের, তারা বাতিলের অনুসরণ করে এবং যারা বিশ্বাসী, তারা তাদের পালনকর্তার নিকট থেকে আগত সত্যের অনুসরণ করে। এমনিভাবে আল্লাহ মানুষের জন্যে তাদের দৃষ্টান্তসমূহ বর্ণনা করেন।

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

That is because those who disbelieve follow falsehood, while those who believe follow the truth from their Lord.ﷻ Thus does Allahﷻ set forth their parables for mankind.

यह इसलिए कि जिन लोगों ने इनकार किया उन्होंने असत्य का अनुसरण किया और यह कि जो लोग ईमान लाए उन्होंने सत्य का अनुसरण किया, जो उनके रब की ओर से है। इस प्रकार अल्लाह लोगों के लिए उनकी मिसालें बयान करता है

Al-Israa (17:81)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقُلْ جَآءَ ٱلْحَقُّ وَزَهَقَ ٱلْبَٰطِلُ إِنَّ ٱلْبَٰطِلَ كَانَ زَهُوقًا

বলুনঃ সত্য এসেছে এবং মিথ্যা বিলুপ্ত হয়েছে। নিশ্চয় মিথ্যা বিলুপ্ত হওয়ারই ছিল।

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

And say: "Truth (i.e. Islamic Monotheism or this Quran or Jihad against polytheists) has come and Batil (falsehood, i.e. Satan or polytheism, etc.) has vanished. Surely! Batil is ever bound to vanish."

कह दो, "सत्य आ गया और असत्य मिट गया; असत्य तो मिट जानेवाला ही होता है।"

Saba (34:49)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ جَآءَ ٱلْحَقُّ وَمَا يُبْدِئُ ٱلْبَٰطِلُ وَمَا يُعِيدُ

বলুন, সত্য আগমন করেছে এবং অসত্য না পারে নতুন কিছু সৃজন করতে এবং না পারে পূনঃ প্রত্যাবর্তিত হতে।

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Say (O Muhammad SAW): "The truth (the Quran and Allah'ﷻs Inspiration) has come, and AlBatil [falsehood/ - Iblis (Satan)] can neither create anything nor resurrect (anything)."

कह दो, "सत्य आ गया (असत्य मिट गया) और असत्य न तो आरम्भ करता है और न पुनरावृत्ति ही।"

;Saba (34:48)

﷽

قُلْ إِنَّ رَبِّي يَقْذِفُ بِٱلْحَقِّ عَلَّٰمُ ٱلْغُيُوبِ

বলুন, আমার পালনকর্তা সত্য দ্বীন অবতরণ করেছেন। তিনি আলেমুল গায়ব।

Say (O Muhammad SAW): "Verily! My Lord ﷻ sends down Inspiration and

makes apparent the truth (i.e. this Revelation that had come to me), the AllKnower of the Ghaib (unseen).

कहो, "निश्चय ही मेरा रब सत्य को असत्य पर ग़ालिब करता है। वह परोक्ष की बातें भली-भाँथि जानता है।"

Saba (34:50)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ إِن ضَلَلْتُ فَإِنَّمَآ أَضِلُّ عَلَىٰ نَفْسِى ۖ وَإِنِ ٱهْتَدَيْتُ فَبِمَا يُوحِىٓ إِلَىَّ رَبِّىٓ ۚ إِنَّهُۥ سَمِيعٌ قَرِيبٌ

বলুন, আমি পথভ্রষ্ট হলে নিজের ক্ষতির জন্যেই পথভ্রষ্ট হব; আর যদি আমি সৎপথ প্রাপ্ত হই, তবে তা এ জন্যে যে, আমার পালনকর্তা আমার প্রতি ওহী প্রেরণ করেন। নিশ্চয় তিনি সর্বশ্রোতা, নিকটবর্তী।

Say: "If (even) I go astray, I shall stray only to my own loss. But if I remain guided, it is because of the Inspiration of my Lord ﷻ to me. Truly, He ﷻ is AllHearer, Ever Near (to all things)."

कहो, "यदि मैं पथभ्रष्ट॥ हो जाऊँ तो पथभ्रष्ट होकर मैं अपना ही बुरा करूँगा, और यदि मैं सीधे मार्ग पर हूँ, तो इसका कारण वह प्रकाशना है जो मेरा रब मेरी ओर करता है। निस्संदेह वह सब कुछ सुनता है, निकट है।"

▬ஜ۩۞۩ஜ▬

Saba (34:51)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَوْ تَرَىٰٓ إِذْ فَزِعُوا۟ فَلَا فَوْتَ وَأُخِذُوا۟ مِن مَّكَانٍ قَرِيبٍ

যদি আপনি দেখতেন, যখন তারা ভীতসন্ত্রস্ত হয়ে পড়বে, অতঃপর পালিয়েও বাঁচতে পারবে না এবং নিকটবর্তী স্থান থেকে ধরা পড়বে।

And if you could but see, when they will be terrified with no escape (for them), and they will be seized from a near place.

और यदि तुम देख लेते जब वे घबराए हुए होंगे; फिर बचकर भाग न सकेंगे और निकट स्थान ही से पकड़ लिए जाएँगे

Saba (34:52)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالُوٓا۟ ءَامَنَّا بِهِۦ وَأَنَّىٰ لَهُمُ ٱلتَّنَاوُشُ مِن مَّكَانٍۭ بَعِيدٍ

তারা বলবে, আমরা সত্যে বিশ্বাস স্থাপন করলাম। কিন্তু তারা এতদূর থেকে তার নাগাল পাবে কেমন করে?

And they will say (in the Hereafter): "We do believe (now);" but how could

they receive (Faith and the acceptance of their repentance by Allah ﷻ) from a place so far off (i.e. to return to the worldly life again).

और कहेंगे, "हम उसपर ईमान ले आए।" हालाँकि उनके लिए कहाँ सम्भव है कि इतने दूरस्थ स्थान से उसको पास सकें

Saba (34:53)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَدْ كَفَرُوا۟ بِهِۦ مِن قَبْلُ ۖ وَيَقْذِفُونَ بِٱلْغَيْبِ مِن مَّكَانٍۭ بَعِيدٍ

অথচ তারা পূর্ব থেকে সত্যকে অস্বীকার করছিল। আর তারা সত্য হতে দূরে থেকে অজ্ঞাত বিষয়ের উপর মন্তব্য করত।

Indeed they did disbelieve (in the Oneness of Allah ﷻ, Islam, the Quran

and Muhammad SAW) before (in this world), and they (used to) conjecture about the unseen [i.e. the Hereafter, Hell, Paradise, Resurrection and the Promise of Allahﷻ, etc. (by saying) all that is untrue], from a far place.

इससे पहले तो उन्होंने उसका इनकार किया और दूरस्थ स्थान से बिन देखे तीर-तूक्के चलाते रहे

Saba (34:54)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَحِيلَ بَيْنَهُمْ وَبَيْنَ مَا يَشْتَهُونَ كَمَا فُعِلَ بِأَشْيَاعِهِم مِّن قَبْلُ ۚ إِنَّهُمْ كَانُوا فِي شَكٍّ مُّرِيبٍ

তাদের ও তাদের বাসনার মধ্যে অন্তরাল হয়ে গেছে, যেমন-তাদের সতীর্থদের সাথেও এরূপ করা হয়েছে, যারা তাদের পূর্বে ছিল। তারা ছিল বিভ্রান্তিকর

সন্দেহে পতিত।

And a barrier will be set between them and that which they desire [i.e. At-Taubah (turning to Allah ﷻ in repentance) and the accepting of Faith etc.], as was done in the past with the people of their kind. Verily, they have been in grave doubt.

उनके और उनकी चाहतों के बीच रोक लगा दी जाएगी; जिस प्रकार इससे पहले उनके सहमार्गी लोगों के साथ मामला किया गया। निश्चय ही वे डाँवाडोल कर देनेवाले संदेह में पड़े रहे हैं

AL-FAATIR,The CREATOR,LORD,

सृष्टिकर्ता,सर्व शक्तिमान,

Yaseen (36:36)

بسم الله الرحمن الرحيم

سُبْحَٰنَ ٱلَّذِى خَلَقَ ٱلْأَزْوَٰجَ كُلَّهَا مِمَّا تُنۢبِتُ ٱلْأَرْضُ وَمِنْ أَنفُسِهِمْ وَمِمَّا لَا يَعْلَمُونَ

পবিত্র তিনি যিনি যমীন থেকে উৎপন্ন উদ্ভিদকে, তাদেরই মানুষকে এবং যা তারা জানে না, তার প্রত্যেককে জোড়া জোড়া করে সৃষ্টি করেছেন।

Glory be to Him جَلَّ جَلَالُهُ, Who has created all the pairs of that which the earth produces, as well as of their own (human) kind (male and female), and of that which they know not.

महिमावान है वह जिसने सबके जोड़े पैदा किए धरती जो चीजें उगाती है उनमें से भी और स्वयं उनकी अपनी जाति में से भी और उन चीज़ो में से भी जिनको वे नहीं जानते

Yunus (10:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ فِي ٱخْتِلَٰفِ ٱلَّيْلِ وَٱلنَّهَارِ وَمَا خَلَقَ ٱللَّهُ فِي ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ لَءَايَٰتٍ لِّقَوْمٍ يَتَّقُونَ

নিশ্চয়ই রাত-দিনের পরিবর্তনের মাঝে এবং যা কিছু তিনি সৃষ্টি করেছেন আসমান ও যমীনে, সবই হল নিদর্শন সেসব লোকের জন্য যারা ভয় করে।

Verily, in the alternation of the night and the day and in all that Allah ﷻ has created in the heavens and the earth are Ayat (proofs, evidences,

verses, lessons, signs, revelations, etc.) for those people who keep their duty to Allah,ﷻ and fear Him much.

निस्संदेह रात और दिन के उलट-फेर में और जो कुछ अल्लाह ने आकाशों और धरती में पैदा किया उसमें डर रखनेवाले लोगों के लिए निशानियाँ है

At-Talaaq (65:12)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱللَّهُ ٱلَّذِي خَلَقَ سَبۡعَ سَمَٰوَٰتٖ وَمِنَ ٱلۡأَرۡضِ مِثۡلَهُنَّ يَتَنَزَّلُ ٱلۡأَمۡرُ بَيۡنَهُنَّ لِتَعۡلَمُوٓاْ أَنَّ ٱللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ شَيۡءٖ قَدِيرٞ وَأَنَّ ٱللَّهَ قَدۡ أَحَاطَ بِكُلِّ شَيۡءٍ عِلۡمَۢا

আল্লাহ সপ্তাকাশ সৃষ্টি করেছেন এবং পৃথিবীও সেই পরিমাণে, এসবের মধ্যে তাঁর আদেশ অবতীর্ণ হয়, যাতে তোমরা জানতে পার যে, আল্লাহ সর্বশক্তিমান এবং সবকিছু তাঁর গোচরীভূত।

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

It is Allahﷻ Who has created seven heavens and of the earth the like thereof (i.e. seven). His Command descends between them (heavens and earth), that you may know that Allah ﷻhas power over all things, and that Allahﷻ surrounds (comprehends) all things in (His) Knowledge.

अल्लाह ही है जिसने सात आकाश बनाए और उन्ही के सदृश धरती से भी। उनके बीच (उसका) आदेश उतरता रहता है ताकि तुम जान लो कि अल्लाह को हर चीज़ का सामर्थ्य प्राप्त है और यह कि अल्लाह हर चीज़ को अपनी ज्ञान-परिधि में लिए हुए है

Al-Anbiyaa (21:30)

﷽

أَوَلَمْ يَرَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوٓا۟ أَنَّ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ كَانَتَا رَتْقًا فَفَتَقْنَٰهُمَا وَجَعَلْنَا مِنَ ٱلْمَآءِ كُلَّ شَىْءٍ حَىٍّ أَفَلَا يُؤْمِنُونَ

কাফেররা কি ভেবে দেখে না যে, আকাশমন্ডলী ও পৃথিবীর মুখ বন্ধ ছিল, অতঃপর আমি উভয়কে খুলে দিলাম এবং প্রাণবন্ত সবকিছু আমি পানি থেকে সৃষ্টি করলাম। এরপরও কি তারা বিশ্বাস স্থাপন করবে না?

Have not those who disbelieve known that the heavens and the earth were joined together as one united piece, then We ﷻ parted them? And We ﷻ have made from water every living thing. Will they not then believe?

क्या उन लोगों ने जिन्होंने इनकार किया, देखा नहीं कि ये आकाश और धरती बन्द थे। फिर हमने उन्हें खोल दिया। और हमने पानी से हर जीवित चीज़ बनाई, तो क्या वे मानते नहीं?

Al-Anbiyaa (21:31)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَجَعَلْنَا فِي ٱلْأَرْضِ رَوَٰسِيَ أَن تَمِيدَ بِهِمْ وَجَعَلْنَا فِيهَا فِجَاجًا سُبُلًا

لَعَلَّهُمْ يَهْتَدُونَ

আমি পৃথিবীতে ভারী বোঝা রেখে দিয়েছি যাতে তাদেরকে নিয়ে পৃথিবী ঝুঁকে না পড়ে এবং তাতে প্রশস্ত পথ রেখেছি, যাতে তারা পথ প্রাপ্ত হয়।

And We ﷻ have placed on the earth firm mountains, lest it should shake with them, and We ﷻ placed therein broad highways for them to pass through, that they may be guided.

और हमने धरती में अटल पहाड़ रख दिए, ताकि कहीं ऐसा न हो कि वह उन्हें लेकर ढुलक जाए और हमने उसमें ऐसे दर्रे बनाए कि रास्तों का काम देते है, ताकि वे मार्ग पाएँ

Al-Anbiyaa (21:32)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَجَعَلْنَا ٱلسَّمَآءَ سَقْفًا مَّحْفُوظًا وَهُمْ عَنْ ءَايَٰتِهَا مُعْرِضُونَ

আমি আকাশকে সুরক্ষিত ছাদ করেছি; অথচ তারা আমার আকাশস্থ নিদর্শনাবলী থেকে মুখ ফিরিয়ে রাখে।

And Weﷻ have made the heaven a roof, safe and well guarded. Yet they turn away from its signs (i.e. sun, moon, winds, clouds, etc.).

और हमने आकाश को एक सुरक्षित छत बनाया, किन्तु वे है कि उसकी निशानियों से कतरा जाते है

Al-Anbiyaa (21:33)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَهُوَ ٱلَّذِى خَلَقَ ٱلَّيْلَ وَٱلنَّهَارَ وَٱلشَّمْسَ وَٱلْقَمَرَ كُلٌّ فِى فَلَكٍ

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

يَسْبَحُونَ

তিনিই সৃষ্টি করেছেন রাত্রি ও দিন এবং সূর্য ও চন্দ্র। সবাই আপন আপন কক্ষপথে বিচরণ করে।

And He ﷻ it is Who has created the night and the day, and the sun and the moon, each in an orbit floating.

वही है जिसने रात और दिन बनाए और सूर्य और चन्द्र भी। प्रत्येक अपने-अपने कक्ष में तैर रहा है

Al-An'aam (6:1)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱلْحَمْدُ لِلَّهِ ٱلَّذِى خَلَقَ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ وَجَعَلَ ٱلظُّلُمَٰتِ وَٱلنُّورَ ثُمَّ

ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ بِرَبِّهِمْ يَعْدِلُونَ

সর্ববিধ প্রশংসা আল্লাহরই জন্য যিনি নভোমন্ডল ও ভূমন্ডল সৃষ্টি করেছেন এবং অন্ধকার ও আলোর উদ্ভব করেছেন। তথাপি কাফেররা স্বীয় পালনকর্তার সাথে অন্যান্যকে সমতুল্য স্থির করে।

All praises and thanks be to Allahﷻ, Who (Alone) created the heavens and the earth, and originated the darkness and the light, yet those who disbelieve hold others as equal with their Lordﷻ.

प्रशंसा अल्लाह के लिए है, जिसने आकाशों और धरती को पैदा किया और अँधरों और उजाले का विधान किया; फिर भी इनकार करनेवाले लोग दूसरों को अपने रब के समकक्ष ठहराते है

Al-An'aam (6:73)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَهُوَ ٱلَّذِى خَلَقَ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ بِٱلْحَقِّ ۖ وَيَوْمَ يَقُولُ كُن فَيَكُونُ ۚ قَوْلُهُ ٱلْحَقُّ ۚ وَلَهُ ٱلْمُلْكُ يَوْمَ يُنفَخُ فِى ٱلصُّورِ ۚ عَٰلِمُ ٱلْغَيْبِ وَٱلشَّهَٰدَةِ ۚ وَهُوَ ٱلْحَكِيمُ ٱلْخَبِيرُ

তিনিই সঠিকভাবে নভোমন্ডল সৃষ্টি করেছেন। যেদিন তিনি বলবেনঃ হয়ে যা, অতঃপর হয়ে যাবে। তাঁর কথা সত্য। যেদিন শিঙ্গায় ফুৎকার করা হবে, সেদিন তাঁরই আধিপত্য হবে। তিনি অদৃশ্য বিষয়ে এবং প্রত্যক্ষ বিষয়ে জ্ঞাত। তিনিই প্রজ্ঞাময়, সর্বজ্ঞ।

It is He ﷻ Who has created the heavens and the earth in truth, and on the Day (i.e. the Day of Resurrection) He will say: "Be!", - and it shall become. His Word is the truth. His will be the dominion on the Day when the trumpet will be blown. All-Knower of the unseen and the seen. He ﷻ is the All-Wise, Well-Aware (of all things).

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

"और वही है जिसने आकाशों और धरती को हक़ के साथ पैदा किया। और जिस समय वह किसी चीज़ को कहे, 'हो जा', तो वह उसी समय वह हो जाती है। उसकी बात सर्वथा सत्य है और जिस दिन 'सूर' (नरसिंघा) में फूँक मारी जाएगी, राज्य उसी का होगा। वह सभी छिपी और खुली चीज़ का जाननेवाला है, और वही तत्वदर्शी, ख़बर रखनेवाला है।"

Al-Ghaafir (40:57)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَخَلْقُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ أَكْبَرُ مِنْ خَلْقِ ٱلنَّاسِ وَلَٰكِنَّ أَكْثَرَ ٱلنَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ

মানুষের সৃষ্টি অপেক্ষা নভোমন্ডল ও ভূ-মন্ডলের সৃষ্টি কঠিনতর। কিন্তু অধিকাংশ মানুষ বোঝে না।

The creation of the heavens and the earth is indeed greater than the

creation of mankind, yet most of mankind know not.

निस्संदेह, आकाशों और धरती को पैदा करना लोगों को पैदा करने की अपेक्षा अधिक बड़ा (कठिन) काम है। किन्तु अधिकतर लोग नहीं जानते

Az-Zukhruf (43:12)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِي خَلَقَ ٱلْأَزْوَٰجَ كُلَّهَا وَجَعَلَ لَكُم مِّنَ ٱلْفُلْكِ وَٱلْأَنْعَٰمِ مَا تَرْكَبُونَ

এবং যিনি সবকিছুর যুগল সৃষ্টি করেছেন এবং নৌকা ও চতুস্পদ জন্তুকে তোমাদের জন্যে যানবাহনে পরিণত করেছেন,

Andالله ﷻ Who has created all the pairs and has appointed for you ships and cattle on which you ride,

और जिसने विभिन्न प्रकार की चीज़े पैदा कीं, और तुम्हारे लिए वे नौकाएँ और जानवर बनाए जिनपर तुम सवार होते हो

An-Noor (24:45)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱللَّهُ خَلَقَ كُلَّ دَآبَّةٍ مِّن مَّآءٍ فَمِنْهُم مَّن يَمْشِى عَلَىٰ بَطْنِهِۦ وَمِنْهُم مَّن يَمْشِى عَلَىٰ رِجْلَيْنِ وَمِنْهُم مَّن يَمْشِى عَلَىٰٓ أَرْبَعٍ يَخْلُقُ ٱللَّهُ مَا يَشَآءُ إِنَّ ٱللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ قَدِيرٌ

আল্লাহ প্রত্যেক চলন্ত জীবকে পানি দ্বারা সৃষ্টি করেছেন। তাদের কতক বুকে ভয় দিয়ে চলে, কতক দুই পায়ে ভর দিয়ে চলে এবং কতক চার পায়ে ভর দিয়ে চলে; আল্লাহ যা ইচ্ছা সৃষ্টি করেন। নিশ্চয়ই আল্লাহ সবকিছু করতে সক্ষম।

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Allah ﷻ has created every moving (living) creature from water.

Of them there are some that creep on their bellies, some that walk on two legs, and some that walk on four. Allah ﷻ creates what He wills. Verily! Allah ﷻ is Able to do all things.

अल्लाह ने हर जीवधारी को पानी से पैदा किया, तो उनमें से कोई अपने पेट के बल चलता है और कोई उनमें दो टाँगों पर चलता है और कोई चार (टाँगों) पर चलता है। अल्लाह जो चाहता है, पैदा करता है। निस्संदेह अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है

Al-Mulk (67:14)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَلَا يَعْلَمُ مَنْ خَلَقَ وَهُوَ ٱللَّطِيفُ ٱلْخَبِيرُ

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

যিনি সৃষ্টি করেছেন, তিনি কি করে জানবেন না? তিনি সূক্ষ্নজ্ঞানী, সম্যক জ্ঞাত।

Should not He Who has created know? And He ﷻ is the Most Kind and Courteous (to His slaves) All-Aware (of everything).

क्या वह नहीं जानेगा जिसने पैदा किया? वह सूक्ष्मदर्शी, ख़बर रखनेवाला है

Luqman (31:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

خَلَقَ ٱلسَّمَٰوَٰتِ بِغَيْرِ عَمَدٍ تَرَوْنَهَا وَأَلْقَىٰ فِى ٱلْأَرْضِ رَوَٰسِىَ أَن تَمِيدَ بِكُمْ وَبَثَّ فِيهَا مِن كُلِّ دَآبَّةٍ وَأَنزَلْنَا مِنَ ٱلسَّمَآءِ مَآءً فَأَنۢبَتْنَا فِيهَا مِن كُلِّ زَوْجٍ كَرِيمٍ

তিনি খুঁটি ব্যতীত আকাশমন্ডলী সৃষ্টি করেছেন; তোমরা তা দেখছ। তিনি পৃথিবীতে স্থাপন করেছেন পর্বতমালা, যাতে পৃথিবী তোমাদেরকে নিয়ে ঢলে না পড়ে এবং এতে ছড়িয়ে দিয়েছেন সর্বপ্রকার জন্তু। আমি আকাশ থেকে পানি বর্ষণ করেছি, অতঃপর তাতে উদগত করেছি সর্বপ্রকার কল্যাণকর উদ্ভিদরাজি।

He ﷻ has created the heavens without any pillars, that you see and has set on the earth firm mountains, lest it should shake with you. And He ﷻ has scattered therein moving (living) creatures of all kinds. And We send down water (rain) from the sky, and We cause (plants) of every goodly kind to grow therein.

उसने आकाशों को पैदा किया, (जो थमें हुए हैं) बिना ऐसे स्तम्भों के जो तुम्हें दिखाई दें। और उसने धरती में पहाड़ डाल दिए कि ऐसा न हो कि तुम्हें लेकर डाँवाडोल हो जाए और उसने उसमें हर प्रकार के जानवर फैला दिए। और हमने ही आकाश से पानी उतारा, फिर उसमें हर प्रकार की उत्तम चीज़े उगाई

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Al-Mulk (67:15)

بسم الله الرحمن الرحيم

هُوَ ٱلَّذِي جَعَلَ لَكُمُ ٱلْأَرْضَ ذَلُولًا فَٱمْشُوا۟ فِى مَنَاكِبِهَا وَكُلُوا۟ مِن رِّزْقِهِۦ ۖ وَإِلَيْهِ ٱلنُّشُورُ

তিনি তোমাদের জন্যে পৃথিবীকে সুগম করেছেন, অতএব, তোমরা তার কাঁধে বিচরণ কর এবং তাঁর দেয়া রিযিক আহার কর। তাঁরই কাছে পুনরুজ্জীবন হবে।

He ﷻ it is, Who has made the earth subservient to you (i.e. easy for you to walk, to live to Cultivate, to Explore resources लाइक Minerals ,Gas,Petroleum,हाइड्रोकार्बन,etc.), so walk in the path thereof and eat of His provision, and to Him ﷻ will be the Resurrection.

वही तो है जिसने तुम्हारे लिए धरती को वशीभूत किया। अतः तुम उसके (धरती के) कन्धों पर चलो और उसकी रोज़ी में से खाओ, उसी की ओर दोबारा उठकर (जीवित

होकर) जाना है

An-Nahl (16:48)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَوَلَمْ يَرَوْا۟ إِلَىٰ مَا خَلَقَ ٱللَّهُ مِن شَىْءٍ يَتَفَيَّؤُا۟ ظِلَـٰلُهُۥ عَنِ ٱلْيَمِينِ وَٱلشَّمَآئِلِ سُجَّدًا لِّلَّهِ وَهُمْ دَٰخِرُونَ

তারা কি আল্লাহর সৃজিত বস্তু দেখে না, যার ছায়া আল্লাহর প্রতি বিনীতভাবে সেজদাবনত থেকে ডান ও বাম দিকে ঝুঁকে পড়ে।

Have they not observed things that Allah ﷻ has created, (how) their shadows incline to the right and to the left, making prostration unto Allah, ﷻ and they are lowly?

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

या वह उन्हें त्रस्त अवस्था में पकड़ ले? किन्तु तुम्हारा रब तो बड़ा ही करुणामय, दयावान है

An-Najm (53:45)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَنَّهُۥ خَلَقَ ٱلزَّوْجَيْنِ ٱلذَّكَرَ وَٱلْأُنثَىٰ

এবং তিনিই সৃষ্টি করেন যুগল-পুরুষ ও নারী।

And that He (Allah ﷻ) creates the pairs, male and female,

और यह कि वही है जिसने नर और मादा के जोड़े पैदा किए,

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

An-Najm (53:46)

بسم الله الرحمن الرحيم

مِن نُّطْفَةٍ إِذَا تُمْنَىٰ

একবিন্দু বীর্য থেকে যখন স্খলিত করা হয়।

From Nutfah (drops of male semen and female discharges) when it is emitted;

एक बूँद से, जब वह टपकाई जाती है;

An-Najm (53:47)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَنَّ عَلَيْهِ ٱلنَّشْأَةَ ٱلْأُخْرَىٰ

পুনরুত্থানের দায়িত্ব তাঁরই,

And that upon Him (Allah ﷻ) is another bringing forth (Resurrection);

और यह कि उसी के ज़िम्मे दोबारा उठाना भी है;

Al-Furqaan (25:54)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَهُوَ ٱلَّذِى خَلَقَ مِنَ ٱلْمَآءِ بَشَرًا فَجَعَلَهُۥ نَسَبًا وَصِهْرًا وَكَانَ رَبُّكَ قَدِيرًا

তিনিই পানি থেকে সৃষ্টি করেছেন মানবকে, অতঃপর তাকে রক্তগত, বংশ ও বৈবাহিক সম্পর্কশীল করেছেন। তোমার পালনকর্তা সবকিছু করতে সক্ষম।

And it is He ﷻ Who has created man from water, and has appointed for him kindred by blood, and kindred by marriage. And your Lord ﷻ is Ever All-Powerful to do what He will.

और वही है जिसने पानी से एक मनुष्य पैदा किया। फिर उसे वंशगत सम्बन्धों और ससुराली रिश्तेवाला बनाया। तुम्हारा रब बड़ा ही सामर्थ्यवान है

Al-Mulk (67:23)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ هُوَ ٱلَّذِىٓ أَنشَأَكُمْ وَجَعَلَ لَكُمُ ٱلسَّمْعَ وَٱلْأَبْصَٰرَ وَٱلْأَفْـِٔدَةَ قَلِيلًا

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

مَّا تَشْكُرُونَ

বলুন, তিনিই তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছেন এবং দিয়েছেন কর্ণ, চক্ষু ও অন্তর। তোমরা অল্পই কৃতজ্ঞতা প্রকাশ কর।

Say it is He ﷻ Who has created you, and endowed you with hearing (ears), seeing (eyes), and hearts. Little thanks you give.

कह दो, "वही है जिसने तुम्हें पैदा किया और तुम्हारे लिए कान और आँखे और दिल बनाए। तुम कृतज्ञता थोड़े ही दिखाते हो।"

As-Sajda (32:7)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱلَّذِيٓ أَحۡسَنَ كُلَّ شَيۡءٍ خَلَقَهُۥۖ وَبَدَأَ خَلۡقَ ٱلۡإِنسَٰنِ مِن طِينٖ

যিনি তাঁর প্রত্যেকটি সৃষ্টিকে সুন্দর করেছেন এবং কাদামাটি থেকে মানব সৃষ্টির সূচনা করেছেন।

Who made everything Heﷲ ﷻ has created good, and He began the creation of man from clay.

जिसने हरेक चीज़, जो बनाई ख़ूब ही बनाई और उसने मनुष्य की संरचना का आरम्भ गारे से किया

Al-Mulk (67:24)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ هُوَ ٱلَّذِى ذَرَأَكُمْ فِى ٱلْأَرْضِ وَإِلَيْهِ تُحْشَرُونَ

বলুন, তিনিই তোমাদেরকে পৃথিবীতে বিস্তৃত করেছেন এবং তাঁরই কাছে

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

তোমরা সমবেত হবে।

Say: "It is Heﷲ Who has created you from the earth, and to Him shall you be gathered (in the Hereafter)."

कह दो, "वही है जिसने तुम्हें धरती में फैलाया और उसी की ओर तुम एकत्र किए जा रहे हो।"

Ar-Room (30:21)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمِنْ ءَايَٰتِهِۦٓ أَنْ خَلَقَ لَكُم مِّنْ أَنفُسِكُمْ أَزْوَٰجًا لِّتَسْكُنُوٓا۟ إِلَيْهَا وَجَعَلَ بَيْنَكُم مَّوَدَّةً وَرَحْمَةً إِنَّ فِى ذَٰلِكَ لَءَايَٰتٍ لِّقَوْمٍ يَتَفَكَّرُونَ

আর এক নিদর্শন এই যে, তিনি তোমাদের জন্যে তোমাদের মধ্য থেকে

তোমাদের সংগিনীদের সৃষ্টি করেছেন, যাতে তোমরা তাদের কাছে শান্তিতে থাক এবং তিনি তোমাদের মধ্যে পারস্পরিক সম্প্রীতি ও দয়া সৃষ্টি করেছেন। নিশ্চয় এতে চিন্তাশীল লোকদের জন্যে নিদর্শনাবলী রয়েছে।

And among His ﷻ Signs is this, that He ﷻ created for you wives from among yourselves, that you may find repose in them, and He ﷻ has put between you affection and mercy. Verily, in that are indeed signs for a people who reflect.

और यह भी उसकी निशानियों में से है कि उसने तुम्हारी ही सहजाति से तुम्हारे लिए जोड़े पैदा किए, ताकि तुम उसके पास शान्ति प्राप्त करो। और उसने तुम्हारे बीच प्रेंम और दयालुता पैदा की। और निश्चय ही इसमें बहुत-सी निशानियाँ है उन लोगों के लिए जो सोच-विचार करते है

Luqman (31:11)

بسم الله الرحمن الرحيم

هَٰذَا خَلْقُ ٱللَّهِ فَأَرُونِى مَاذَا خَلَقَ ٱلَّذِينَ مِن دُونِهِۦ ۚ بَلِ ٱلظَّٰلِمُونَ فِى ضَلَٰلٍ مُّبِينٍ

এটা আল্লাহর সৃষ্টি; অতঃপর তিনি ব্যতীত অন্যেরা যা সৃষ্টি করেছে, তা আমাকে দেখাও। বরং জালেমরা সুস্পষ্ট পথভ্রষ্টতায় পতিত আছে।

This is the creation of Allahﷻ. So show Me that which those (whom you worship), besides Him have created. Nay, the Zalimun (polytheists, wrong-doers and those who do not believe in the Oneness of Allahﷻ) are in plain error.

यह तो अल्लाह की संरचना है। अब तनिक मुझे दिखाओं कि उससे हटकर जो दूसरे हैं (तुम्हारे ठहराए हुए प्रुभ) उन्होंने क्या पैदा किया हैं! नहीं, बल्कि ज़ालिम तो एक खुली गुमराही में पड़े हुए है

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Luqman (31:12)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَقَدْ ءَاتَيْنَا لُقْمَٰنَ ٱلْحِكْمَةَ أَنِ ٱشْكُرْ لِلَّهِ وَمَن يَشْكُرْ فَإِنَّمَا يَشْكُرُ لِنَفْسِهِۦ وَمَن كَفَرَ فَإِنَّ ٱللَّهَ غَنِىٌّ حَمِيدٌ

আমি লোকমানকে প্রজ্ঞা দান করেছি এই মর্মে যে, আল্লাহর প্রতি কৃতজ্ঞ হও। যে কৃতজ্ঞ হয়, সে তো কেবল নিজ কল্যানের জন্যই কৃতজ্ঞ হয়। আর যে অকৃতজ্ঞ হয়, আল্লাহ অভাবমুক্ত, প্রশংসিত।

And indeed We bestowed upon Luqman Al-Hikmah (wisdom and religious understanding, etc.) saying: "Give thanks to Allah,ﷻ" and whoever gives thanks, he gives thanks for (the good of) his ownself. And whoever is unthankful, then verily, Allahﷻ is All-Rich (Free of all wants), Worthy of all praise.

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

निश्चय ही हमने लुकमान को तत्वदर्शिता प्रदान की थी कि अल्लाह के प्रति कृतज्ञता दिखलाओ और जो कोई कृतज्ञता दिखलाए, वह अपने ही भले के लिए कृतज्ञता दिखलाता है। और जिसने अकृतज्ञता दिखलाई तो अल्लाह वास्तव में निस्पृह, प्रशंसनीय है

الباطل ، AlBaatil, झूठी

Al-Hajj (22:62)

بسم الله الرحمن الرحيم

ذَٰلِكَ بِأَنَّ ٱللَّهَ هُوَ ٱلْحَقُّ وَأَنَّ مَا يَدْعُونَ مِن دُونِهِۦ هُوَ ٱلْبَٰطِلُ وَأَنَّ ٱللَّهَ هُوَ ٱلْعَلِىُّ ٱلْكَبِيرُ

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

এটা এ কারণেও যে, আল্লাহই সত্য; আর তাঁর পরিবর্তে তারা যাকে ডাকে, তা অসত্য এবং আল্লাহই সবার উচ্চে, মহান।

He is the Truth (the only True God of all that ﷻThat is because Allah exists, Who has no partners or rivals with Him), and what they (the ,polytheists) invoke besides Him, it is Batil (falsehood) And verily .He is the Most High, the Most Great ﷻAllah

यह इसलिए कि अल्लाह ही सत्य है और जिसे वे उसको छोड़कर पुकारते है, वे सब असत्य है, और यह कि अल्लाह ही सर्वोच्च, महान है

Al-Anbiyaa (21:18)

بسم الله الرحمن الرحيم

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

بَلْ نَقْذِفُ بِٱلْحَقِّ عَلَى ٱلْبَٰطِلِ فَيَدْمَغُهُۥ فَإِذَا هُوَ زَاهِقٌ وَلَكُمُ ٱلْوَيْلُ مِمَّا تَصِفُونَ

বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ।

Nay, We ﷻ fling (send down) the truth (this Quran) against the

falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allahﷻ by uttering that Allah ﷻhas a wife and a son).

नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!

Al-Hajj (22:62)

بسم الله الرحمن الرحيم

ذَٰلِكَ بِأَنَّ ٱللَّهَ هُوَ ٱلْحَقُّ وَأَنَّ مَا يَدْعُونَ مِن دُونِهِۦ هُوَ ٱلْبَٰطِلُ وَأَنَّ ٱللَّهَ هُوَ ٱلْعَلِىُّ ٱلْكَبِيرُ

এটা এ কারণেও যে, আল্লাহই সত্য; আর তাঁর পরিবর্তে তারা যাকে ডাকে, তা অসত্য এবং আল্লাহই সবার উচ্চে, মহান।

That is because Allah ﷻ He is the Truth (the only True God of all that exists, Who has no partners or rivals with Him), and what they (the polytheists) invoke besides Him, it is Batil (falsehood) And verily, Allah ﷻ He is the Most High, the Most Great.

यह इसलिए कि अल्लाह ही सत्य है और जिसे वे उसको छोड़कर पुकारते है, वे सब

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

असत्य है, और यह कि अल्लाह ही सर्वोच्च, महान है

Luqman (31:30)

بسم الله الرحمن الرحيم

ذَٰلِكَ بِأَنَّ ٱللَّهَ هُوَ ٱلْحَقُّ وَأَنَّ مَا يَدْعُونَ مِن دُونِهِ ٱلْبَٰطِلُ وَأَنَّ ٱللَّهَ هُوَ ٱلْعَلِىُّ ٱلْكَبِيرُ

এটাই প্রমাণ যে, আল্লাহ-ই সত্য এবং আল্লাহ ব্যতীত তারা যাদের পূজা করে সব মিথ্যা। আল্লাহ সর্বোচ্চ, মহান।

That is because Allah,ﷻ He is the Truth, and that which they invoke besides Him is Al-Batil (falsehood, Satan and all other false deities), and that Allah,ﷻ He is the Most High, the Most Great.

यह सब कुछ इस कारण से है कि अल्लाह ही सत्य है और यह कि उसे छोड़कर जिनको वे पुकारते है, वे असत्य है। और यह कि अल्लाह ही सर्वोच्च, महान है

Ash-Shura (42:24)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمْ يَقُولُونَ ٱفْتَرَىٰ عَلَى ٱللَّهِ كَذِبًا فَإِن يَشَإِ ٱللَّهُ يَخْتِمْ عَلَىٰ قَلْبِكَ وَيَمْحُ ٱللَّهُ ٱلْبَٰطِلَ وَيُحِقُّ ٱلْحَقَّ بِكَلِمَٰتِهِۦٓ إِنَّهُۥ عَلِيمٌۢ بِذَاتِ ٱلصُّدُورِ

নাকি তারা একথা বলে যে, তিনি আল্লাহর বিরুদ্ধে মিথ্যা রটনা করেছেন? আল্লাহ ইচ্ছা করলে আপনার অন্তরে মোহর এঁটে দিতেন। বস্তুতঃ তিনি মিথ্যাকে মিটিয়ে দেন এবং নিজ বাক্য দ্বারা সত্যকে প্রতিষ্ঠিত করেন। নিশ্চয় তিনি অন্তর্নিহিত বিষয় সম্পর্কে সবিশেষ জ্ঞাত।

Or say they: "He has invented a lie against Allah جَلَّ جَلَالُهُ?" If Allah جَلَّ جَلَالُهُ willed, He could have sealed your heart (so that you forget all that you know of

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

the Quran). And Allah ﷻ wipes out falsehood, and

establishes the truth (Islam) by His Word (this Qur'an). Verily, He knows well what (the secrets) are in the breasts (of mankind).

(क्या वे ईमान नहीं लाएँगे) या उनका कहना है कि "इस व्यक्ति ने अल्लाह पर मिथ्यारोपण किया है?" यदि अल्लाह चाहे तो तुम्हारे दिल पर मुहर लगा दे (जिस प्रकार उसने इनकार करनेवालों के दिल पर मुहर लगा दी है) । अल्लाह तो असत्य को मिटा रहा है और सत्य को अपने बोलों से सिद्ध कर रहा है। निश्चय ही वह सीनों तक की बात को भी भली-भाँति जानता है

An-Nahl (16:21)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمْوَٰتٌ غَيْرُ أَحْيَآءٍ وَمَا يَشْعُرُونَ أَيَّانَ يُبْعَثُونَ

তারা মৃত-প্রাণহীন এবং কবে পুনরুত্থিত হবে, জানে না।

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

(বাতিল,FALSE GODS are) dead, lifeless, and they know not when they will be raised up.

मृत है, जिनमें प्राण नहीं। उन्हें मालूम नहीं कि वे कब उठाए जाएँगे

Al-Ghaafir (40:61)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱللَّهُ ٱلَّذِى جَعَلَ لَكُمُ ٱلَّيْلَ لِتَسْكُنُوا۟ فِيهِ وَٱلنَّهَارَ مُبْصِرًا ۚ إِنَّ ٱللَّهَ لَذُو فَضْلٍ عَلَى ٱلنَّاسِ وَلَـٰكِنَّ أَكْثَرَ ٱلنَّاسِ لَا يَشْكُرُونَ

তিনিই আল্লাহ যিনি রাত্র সৃষ্টি করেছেন তোমাদের বিশ্রামের জন্যে এবং দিবসকে করেছেন দেখার জন্যে। নিশ্চয় আল্লাহ মানুষের প্রতি অনুগ্রহশীল, কিন্তু অধিকাংশ মানুষ কৃতজ্ঞতা স্বীকার করে না।

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Allah, ﷻ it is He Who has made the night for you that you may rest therein and the day for you to see. Truly, Allah ﷻ is full of Bounty to mankind, yet most of mankind give no thanks.

अल्लाह ही है जिसने तुम्हारे लिए रात (अंधकारमय) बनाई, तुम उसमें शान्ति प्राप्त करो और दिन को प्रकाशमान बनाया (ताकि उसमें दौड़-धूप करो) । निस्संदेह अल्लाह लोगों के लिए बड़ा उदार अनुग्रहवाला हैं, किन्तु अधिकतर लोग कृतज्ञता नहीं दिखाते

Al-Ghaafir (40:62)

بسم الله الرحمن الرحيم

ذَٰلِكُمُ ٱللَّهُ رَبُّكُمْ خَٰلِقُ كُلِّ شَيْءٍ لَّآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ فَأَنَّىٰ تُؤْفَكُونَ

তিনি আল্লাহ, তোমাদের পালনকর্তা, সব কিছুর স্রষ্টা। তিনি ব্যতীত কোন

উপাস্য নেই। অতএব তোমরা কোথায় বিভ্রান্ত হচ্ছ?

That is Allahﷻ, your Lord, the Creator of all things, La ilaha illa Huwa (none has the right to be worshipped but He), where then you are turning away (from Allahﷻ, by worshipping others instead of Him)!

वह है अल्लाह, तुम्हारा रब, हर चीज़ का पैदा करनेवाला! उसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। फिर तुम कहाँ उलटे फिरे जा रहे हो?

स्क्रिप्चरल- Hypocrites اهل الکتاب،

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Aal-i-Imraan (3:71)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَهْلَ ٱلْكِتَٰبِ لِمَ تَلْبِسُونَ ٱلْحَقَّ بِٱلْبَٰطِلِ وَتَكْتُمُونَ ٱلْحَقَّ وَأَنتُمْ تَعْلَمُونَ

হে আহলে কিতাবগণ, কেন তোমরা সত্যকে মিথ্যার সাথে সংমিশ্রণ করছ এবং সত্যকে গোপন করছ, অথচ তোমরা তা জান।

O people of the Scripture (Jews and Christians): "Why do you mix truth with falsehood and conceal the truth while you know?"

ऐ किताबवालो! सत्य को असत्य के साथ क्यों गड्ड-मड्ड करते और जानते-बूझते हुए सत्य को छिपाते हो?

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Al-Hajj (22:69)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱللَّهُ يَحْكُمُ بَيْنَكُمْ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فِيمَا كُنتُمْ فِيهِ تَخْتَلِفُونَ

তোমরা যে বিষয়ে মতবিরোধ করছ, আল্লাহ ﷻ কিয়ামতের দিন সেই বিষয়ে তোমাদের মধ্যে ফায়সালা করবেন।

"Allah ﷻ will judge between you on the Day of Resurrection about that wherein you used to differ."

अल्लाह ﷻ क़ियामत के दिन तुम्हारे बीच उस चीज़ का फ़ैसला कर देगा, जिसमें तुम विभेद करते हो।"

عبد الطاغوت، अब्दुताघूत,शायतानी परस्त्रीश

FALSEHOOD MONGERS

Al-Ankaboot (29:52)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ كَفَىٰ بِٱللَّهِ بَيْنِى وَبَيْنَكُمْ شَهِيدًا يَعْلَمُ مَا فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ وَٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ بِٱلْبَٰطِلِ وَكَفَرُوا۟ بِٱللَّهِ أُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ ٱلْخَٰسِرُونَ

বলুন, আমার মধ্যে ও তোমাদের মধ্যে আল্লাহই সাক্ষীরূপে যথেষ্ট। তিনি জানেন যা কিছু নভোমন্ডলে ও ভূ-মন্ডলে আছে। আর যারা মিথ্যায় বিশ্বাস করে ও আল্লাহকে অস্বীকার করে, তারাই ক্ষতিগ্রস্ত।

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Say (to them O Muhammad SAW): "Sufficient is Allahﷻ for a witness between me and you. Heﷻ knows what is in the heavens and on earth." And those who believe in Batil (all false deities other than Allahﷻ), and disbelieve in Allahﷻ and (in His Oneness), it is they who are the losers.

कह दो, "मेरे और तुम्हारे बीच अल्लाह गवाह के रूप में काफ़ी है।" वह जानता है जो कुछ आकाशों और धरती में है। जो लोग असत्य पर ईमान लाए और अल्लाह का इनकार किया वही है जो घाटे में है

An-Nahl (16:4)

بسم الله الرحمن الرحيم

خَلَقَ ٱلْإِنسَٰنَ مِن نُّطْفَةٍ فَإِذَا هُوَ خَصِيمٌ مُّبِينٌ

তিনি মানবকে এক ফোটা বীর্য থেকে সৃষ্টি করেছেন। এতদসত্বেও সে প্রকাশ্য

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

বিতন্ডাকারী হয়ে গেছে।

Heﷻ has created man from Nutfah (mixed drops of male and female sexual discharge), then behold, this same (man) becomes an open opponent.

उसने मनुष्यों को एक बूँद से पैदा किया। फिर क्या देखते है कि वह खुला झगड़नेवाला बन गया!

▬▬▬ஜ۩۞۩ஜ▬▬▬

Al-Hajj (22:8)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمِنَ ٱلنَّاسِ مَن يُجَٰدِلُ فِى ٱللَّهِ بِغَيْرِ عِلْمٍ وَلَا هُدًى وَلَا كِتَٰبٍ مُّنِيرٍ

কতক মানুষ জ্ঞান; প্রমাণ ও উজ্জ্বল কিতাব ছাড়াই আল্লাহ সম্পর্কে বিতর্ক করে।

without knowledge or ﷻ,And among men is he who disputes about Allah ,(ﷻguidance, or a Book giving light (from Allah

और लोगों मे कोई ऐसा है जो किसी ज्ञान, मार्गदर्शन और प्रकाशमान किताब के बिना ,अल्लाह के विषय में (घमंड से) अपने पहलू मोड़ते हुए झगड़ता है

▬▬▬ஜ۩۞۩ஜ▬▬▬

Al-Hajj (22:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

ثَانِيَ عِطۡفِهِۦ لِيُضِلَّ عَن سَبِيلِ ٱللَّهِۖ لَهُۥ فِي ٱلدُّنۡيَا خِزۡيٌۖ وَنُذِيقُهُۥ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ عَذَابَ ٱلۡحَرِيقِ

সে পার্শ্ব পরিবর্তন করে বিতর্ক করে, যাতে আল্লাহর পথ থেকে বিভ্রান্ত করে দেয়। তার জন্যে দুনিয়াতে লাঞ্ছনা আছে এবং কেয়ামতের দিন আমি তাকে

দহন-যন্ত্রণা আস্বাদন করাব।

and ,(ﷻBending his neck in pride (far astray from the Path of Allah

For him there .ﷻleading (others) too (far) astray from the Path of Allah is disgrace in this worldly life, and on the Day of Resurrection We shall .make him taste the torment of burning (Fire)

ताकि अल्लाह के मार्ग से भटका दे। उसके लिए दुनिया में भी रुसवाई है और क़ियामत के दिन हम उसे जलने की यातना का मज़ा चखाएँगे

Al-Baqara (2:21)

﷽

يَٰٓأَيُّهَا ٱلنَّاسُ ٱعۡبُدُواْ رَبَّكُمُ ٱلَّذِي خَلَقَكُمۡ وَٱلَّذِينَ مِن قَبۡلِكُمۡ لَعَلَّكُمۡ تَتَّقُونَ

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

হে মানব সমাজ! তোমরা তোমাদের পালনকর্তার এবাদত কর, যিনি তোমাদিগকে এবং তোমাদের পূর্ববর্তীদিগকে সৃষ্টি করেছেন। তাতে আশা করা যায়, তোমরা পরহেযগারী অর্জন করতে পারবে।

O mankind! Worship your Lord (Allahﷻ), Who created you and those who were before you so that you may become Al-Muttaqun (the pious - see V. 2:2).

ऐ लोगो! बन्दगी करो अपने रब की जिसने तुम्हें और तुमसे पहले के लोगों को पैदा किया, ताकि तुम बच सको;

▬▬▬ஜ۩۞۩ஜ▬▬▬

Al-An'aam (6:102)

بسم الله الرحمن الرحيم

ذَٰلِكُمُ ٱللَّهُ رَبُّكُمْ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ خَٰلِقُ كُلِّ شَىْءٍ فَٱعْبُدُوهُ وَهُوَ عَلَىٰ

كُلِّ شَيْءٍ وَكِيلٌ

তিনিই আল্লাহ তোমাদের পালনকর্তা। তিনি ব্যতীত কোন উপাস্য নেই। তিনিই সব কিছুর স্রষ্টা। অতএব, তোমরা তাঁরই এবাদত কর। তিনি প্রত্যেক বস্তুর কার্যনির্বাহী।

Such is Allahﷻ, your Lord! La ilaha illa Huwa (none has the right to be worshipped but He), the Creator of all things. So worship Him (Alone), and He is the Wakil (Trustee, Disposer of affairs, Guardian, etc.) over all things.

वही अल्लाह तुम्हारा रब; उसके सिवा कोई पूज्य नहीं; हर चीज़ का स्रष्टा है; अतः तुम उसी की बन्दगी करो। वही हर चीज़ का ज़िम्मेदार है

Luqman (31:20)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَلَمْ تَرَوْا۟ أَنَّ ٱللَّهَ سَخَّرَ لَكُم مَّا فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِى ٱلْأَرْضِ
وَأَسْبَغَ عَلَيْكُمْ نِعَمَهُۥ ظَٰهِرَةً وَبَاطِنَةً ۗ وَمِنَ ٱلنَّاسِ مَن يُجَٰدِلُ فِى
ٱللَّهِ بِغَيْرِ عِلْمٍ وَلَا هُدًى وَلَا كِتَٰبٍ مُّنِيرٍ

তোমরা কি দেখ না আল্লাহ নভোমন্ডল ও ভূ-মন্ডলে যাকিছু আছে, সবই তোমাদের কাজে নিয়োজিত করে দিয়েছেন এবং তোমাদের প্রতি তাঁর প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য নেয়ামতসমূহ পরিপূর্ন করে দিয়েছেন? এমন লোক ও আছে; যারা জ্ঞান, পথনির্দেশ ও উজ্জ্বল কিতাব ছাড়াই আল্লাহ সম্পর্কে বাকবিতন্ডা করে।

See you not (O men) that Allah ﷻ has subjected for you whatsoever is in the heavens and whatsoever is in the earth, and has completed and perfected His Graces upon you, (both) apparent (i.e. Islamic Monotheism, and the lawful pleasures of this world, including health, good looks, etc.) and hidden [i.e. One's Faith in Allah ﷻ(of Islamic Monotheism) knowledge, wisdom, guidance for doing righteous deeds, and also the

pleasures and delights of the Hereafter in Paradise, etc.]? Yet of mankind is he who disputes about Allah ﷻ without knowledge or guidance or a Book giving light!

क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह ने, जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है, सबको तुम्हारे काम में लगा रखा है और उसने तुमपर अपनी प्रकट और अप्रकट अनुकम्पाएँ पूर्ण कर दी है? इसपर भी कुछ लोग ऐसे है जो अल्लाह के विषय में बिना किसी ज्ञान, बिना किसी मार्गदर्शन और बिना किसी प्रकाशमान किताब के झगड़ते है

Ibrahim (14:34)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَءَاتَىٰكُم مِّن كُلِّ مَا سَأَلْتُمُوهُ وَإِن تَعُدُّوا۟ نِعْمَتَ ٱللَّهِ لَا تُحْصُوهَآ إِنَّ ٱلْإِنسَٰنَ لَظَلُومٌ كَفَّارٌ

যে সকল বস্তু তোমরা চেয়েছ, তার প্রত্যেকটি থেকেই তিনি তোমাদেরকে দিয়েছেন। যদি আল্লাহর নেয়ামত গণনা কর, তবে গুণে শেষ করতে পারবে না। নিশ্চয় মানুষ অত্যন্ত অন্যায়কারী, অকৃতজ্ঞ।

And He gave you of all that you asked for, and if you count the Blessings of Allahﷻ, never will you be able to count them. Verily!

Man is indeed an extreme wrong-doer, - a disbeliever (an extreme ingrate, denies Allahﷻ's Blessings by disbelief, and by worshipping others besides Allahﷻ, and by disobeying Allahﷻ and His Prophet Muhammad SAW).

और हर उस चीज़ में से तुम्हें दिया जो तुमने उससे माँगा यदि तुम अल्लाह की नेमतों की गणना नहीं कर सकते। वास्तव में मनुष्य ही बड़ा ही अन्यायी, कृतघ्न है

Ar-Ra'd (13:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَسْتَعْجِلُونَكَ بِٱلسَّيِّئَةِ قَبْلَ ٱلْحَسَنَةِ وَقَدْ خَلَتْ مِن قَبْلِهِمُ ٱلْمَثُلَٰتُ
وَإِنَّ رَبَّكَ لَذُو مَغْفِرَةٍ لِّلنَّاسِ عَلَىٰ ظُلْمِهِمْ وَإِنَّ رَبَّكَ لَشَدِيدُ ٱلْعِقَابِ

এরা আপনার কাছে মঙ্গলের পরিবর্তে দ্রুত অমঙ্গল কামনা করে। তাদের পূর্বে অনুরূপ অনেক শাস্তিপ্রাপ্ত জনগোষ্ঠী অতিক্রান্ত হয়েছে। আপনার পালনকর্তা মানুষকে তাদের অন্যায় সত্বেও ক্ষমা করেন এবং আপনার পালনকর্তা কঠিন শাস্তিদাতা ও বটে।

They ask you to hasten the evil before the good, yet (many) exemplary punishments have indeed occurred before them. But verily, your Lordالله ﷻ is full of Forgiveness for mankind inspite of their wrong-doing. And verily, your Lord الله ﷻ is (also) Severe in punishment.

वे भलाई से पहले बुराई के लिए तुमसे जल्दी मचा रहे हैं, हालाँकि उनसे पहले कितनी ही शिक्षाप्रद मिसालें गुज़र चुकी है। किन्तु तुम्हारा रब लोगों को उनके अत्याचार के

बावजूद क्षमा कर देता है और वास्तव में तुम्हारा रब दंड देने में भी बहुत कठोर है

Az-Zumar (39:62)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱللَّهُ خَٰلِقُ كُلِّ شَىْءٍ وَهُوَ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ وَكِيلٌ

আল্লাহ সর্বকিছুর স্রষ্টা এবং তিনি সবকিছুর দায়িত্ব গ্রহণ করেন।

Allah جَلَّ جَلَالُهُ is the Creator of all things, and He جَلَّ جَلَالُهُ is the Wakil (Trustee, Disposer of affairs, Guardian, etc.) over all things.

अल्लाह हर चीज़ का स्रष्टा है और वही हर चीज़ का ज़िम्मा लेता है

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Az-Zumar (39:63)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَّهُۥ مَقَالِيدُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ وَٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ بِـَٔايَٰتِ ٱللَّهِ أُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ ٱلْخَٰسِرُونَ

আসমান ও যমীনের চাবি তাঁরই নিকট। যারা আল্লাহর আয়াতসমূহকে অস্বীকার করে, তারাই ক্ষতিগ্রস্ত।

To Him ﷻ belong the keys of the heavens and the earth. And those who disbelieve in the Ayat (proofs, evidences, verses, signs, revelations, etc.) of Allah, such are they who will be the losers.

उसी के पास आकाशों और धरती की कुँजियाँ है। और जिन लोगों ने हमारी आयतों का इनकार किया, वही है जो घाटे में है

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Faatir (35:3)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلنَّاسُ ٱذۡكُرُواْ نِعۡمَتَ ٱللَّهِ عَلَيۡكُمۡ هَلۡ مِنۡ خَٰلِقٍ غَيۡرُ ٱللَّهِ يَرۡزُقُكُم مِّنَ ٱلسَّمَآءِ وَٱلۡأَرۡضِ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ فَأَنَّىٰ تُؤۡفَكُونَ

হে মানুষ, তোমাদের প্রতি আল্লাহর অনুগ্রহ স্মরণ কর। আল্লাহ ব্যতীত এমন কোন স্রষ্টা আছে কি, যে তোমাদেরকে আসমান ও যমীন থেকে রিযিক দান করে? তিনি ব্যতীত কোন উপাস্য নেই। অতএব তোমরা কোথায় ফিরে যাচ্ছ?

O mankind! Remember the Grace of Allah ﷻ upon you! Is there any creator other than Allah ﷻ who provides for you from the sky (rain) and the earth? La ilaha illa Huwa (none has the right to be worshipped but He). How then are you turning away (from Him)?

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

ऐ लोगो! अल्लाह की तुमपर जो अनुकम्पा है, उसे याद करो। क्या अल्लाह के सिवा कोई और पैदा करनेवाला है, जो तुम्हें आकाश और धरती से रोज़ी देता हो? उसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। तो तुम कहाँ से उलटे भटके चले जा रहे हो?

Creation, जन्म, خلق ا نسان

Al-Muminoon (23:12)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَقَدْ خَلَقْنَا ٱلْإِنسَٰنَ مِن سُلَٰلَةٍ مِّن طِينٍ

আমি মানুষকে মাটির সারাংশ থেকে সৃষ্টি করেছি।

And indeed Weﷻالله created man (Adam) out of an extract of clay (water and earth).

हमने मनुष्य को मिट्टी के सत से बनाया

▬▬▬ஜ۩۞۩ஜ▬▬▬

Al-Muminoon (23:13)

بسم الله الرحمن الرحيم

ثُمَّ جَعَلۡنَٰهُ نُطۡفَةٗ فِي قَرَارٖ مَّكِينٖ

অতঃপর আমি তাকে শুক্রবিন্দু রূপে এক সংরক্ষিত আধারে স্থাপন করেছি।

made him (the offspring of Adam) as a Nutfah (mixed ﷻالله Thereafter We

drops of the male and female sexual discharge) (and lodged it) in a safe .lodging (womb of the woman)

फिर हमने उसे एक सुरक्षित ठहरने की जगह टपकी हुई बूँद बनाकर रखा

Al-Muminoon (23:14)

بسم الله الرحمن الرحيم

ثُمَّ خَلَقْنَا ٱلنُّطْفَةَ عَلَقَةً فَخَلَقْنَا ٱلْعَلَقَةَ مُضْغَةً فَخَلَقْنَا ٱلْمُضْغَةَ عِظَٰمًا فَكَسَوْنَا ٱلْعِظَٰمَ لَحْمًا ثُمَّ أَنشَأْنَٰهُ خَلْقًا ءَاخَرَ فَتَبَارَكَ ٱللَّهُ أَحْسَنُ ٱلْخَٰلِقِينَ

এরপর আমি শুক্রবিন্দুকে জমাট রক্তরূপে সৃষ্টি করেছি, অতঃপর জমাট রক্তকে মাংসপিন্ডে পরিণত করেছি, এরপর সেই মাংসপিন্ড থেকে অস্থি সৃষ্টি করেছি, অতঃপর অস্থিকে মাংস দ্বারা আবৃত করেছি, অবশেষে তাকে নতুন রূপে দাঁড় করিয়েছি। নিপুণতম সৃষ্টিকর্তা আল্লাহ কত কল্যাণময়।

made the Nutfah into a clot (a piece of thick coagulated الله ﷻ Then We
الله ﷻ blood), then We made the clot into a little lump of flesh, then We
clothed the الله ﷻ made out of that little lump of flesh bones, then We
bones with flesh, and then We brought it forth as another creation. So
.the Best of creators ﷻ ,blessed be Allah

फिर हमने उस बूँद को लोथड़े का रूप दिया; फिर हमने उस लोथड़े को बोटी का रूप दिया; फिर हमने उन हड्डियों पर मांस चढाया; फिर हमने उसे एक दूसरा ही सर्जन रूप !देकर खड़ा किया। अतः बहुत ही बरकतवाला है अल्लाह, सबसे उत्तम स्रष्टा

Al-Muminoon (23:15)

بسم الله الرحمن الرحيم

ثُمَّ إِنَّكُم بَعْدَ ذَٰلِكَ لَمَيِّتُونَ

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

এরপর তোমরা মৃত্যুবরণ করবে

.After that, surely, you will die

फिर तुम अवश्य मरनेवाले हो

Al-Muminoon (23:16)

بسم الله الرحمن الرحيم

ثُمَّ إِنَّكُمْ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ تُبْعَثُونَ

অতঃপর কেয়ামতের দিন তোমরা পুনরুত্থিত হবে।

.Then (again), surely, you will be resurrected on the Day of Resurrection

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

फिर क़ियामत के दिन तुम निश्चय ही उठाए जाओगे

Al-Hajj (22:5)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلنَّاسُ إِن كُنتُمۡ فِي رَيۡبٖ مِّنَ ٱلۡبَعۡثِ فَإِنَّا خَلَقۡنَٰكُم مِّن تُرَابٖ
ثُمَّ مِن نُّطۡفَةٖ ثُمَّ مِنۡ عَلَقَةٖ ثُمَّ مِن مُّضۡغَةٖ مُّخَلَّقَةٖ وَغَيۡرِ مُخَلَّقَةٖ
لِّنُبَيِّنَ لَكُمۡۚ وَنُقِرُّ فِي ٱلۡأَرۡحَامِ مَا نَشَآءُ إِلَىٰٓ أَجَلٖ مُّسَمّٗى ثُمَّ
نُخۡرِجُكُمۡ طِفۡلٗا ثُمَّ لِتَبۡلُغُوٓاْ أَشُدَّكُمۡۖ وَمِنكُم مَّن يُتَوَفَّىٰ وَمِنكُم مَّن
يُرَدُّ إِلَىٰٓ أَرۡذَلِ ٱلۡعُمُرِ لِكَيۡلَا يَعۡلَمَ مِنۢ بَعۡدِ عِلۡمٖ شَيۡـٔٗاۚ وَتَرَى ٱلۡأَرۡضَ
هَامِدَةٗ فَإِذَآ أَنزَلۡنَا عَلَيۡهَا ٱلۡمَآءَ ٱهۡتَزَّتۡ وَرَبَتۡ وَأَنۢبَتَتۡ مِن كُلِّ زَوۡجِۭ
بَهِيجٖ

হে লোকসকল! যদি তোমরা পুনরুত্থানের ব্যাপারে সন্দিগ্ধ হও, তবে (ভেবে

,দেখ-) আমি তোমাদেরকে মৃত্তিকা থেকে সৃষ্টি করেছি। এরপর বীর্য থেকে এরপর জমাট রক্ত থেকে, এরপর পূর্ণাকৃতিবিশিষ্ট ও অপূর্ণাকৃতিবিশিষ্ট মাংসপিন্ড থেকে, তোমাদের কাছে ব্যক্ত করার জন্যে। আর আমি এক নির্দিষ্ট কালের জন্যে মাতৃগর্ভে যা ইচ্ছা রেখে দেই, এরপর আমি তোমাদেরকে শিশু অবস্থায় বের করি; তারপর যাতে তোমরা যৌবনে পদার্পণ কর। তোমাদের মধ্যে কেউ কেউ মৃত্যুমুখে পতিত হয় এবং তোমাদের মধ্যে কাউকে নিষ্কর্মা বয়স পর্যন্ত পৌছানো হয়, যাতে সে জানার পর জ্ঞাত বিষয় সম্পর্কে সজ্ঞান থাকে না। তুমি ভূমিকে পতিত দেখতে পাও, অতঃপর আমি যখন তাতে বৃষ্টি বর্ষণ করি, তখন তা সতেজ ও স্ফীত হয়ে যায় এবং সর্বপ্রকার সুদৃশ্য উদ্ভিদ উৎপন্ন করে।

O mankind! If you are in doubt about the Resurrection, then verily! We have created you (i.e. Adam) from dust, then from a Nutfah (mixed drops of male and female sexual discharge i.e. offspring of Adam), then from a ,then from a little lump of flesh clot (a piece of thick coagulated blood) may الله ﷻ some formed and some unformed (miscarriage), that We make (it) clear to you (i.e. to show you Our Power and Ability to do what cause whom We will to remain in the wombs for an الله ﷻ We will). And We appointed term, then We bring you out as infants, then (give you growth) that you may reach your age of full strength. And among you there is he

who dies (young), and among you there is he who is brought back to the miserable old age, so that he knows nothing after having known. And you see the earth barren, but when We send down water (rain) on it, it is .every lovely kind (of growth) stirred (to life), it swells and puts forth

ऐ लोगो! यदि तुम्हें दोबारा जी उठने के विषय में कोई सन्देह हो तो देखो, हमने तुम्हें मिट्टी से पैदा किया, फिर वीर्य से, फिर लोथड़े से, फिर माँस की बोटी से जो बनावट में पूर्ण दशा में भी होती है और अपूर्ण दशा में भी, ताकि हम तुमपर स्पष्ट कर दें और हम है एक नियत समय तक गर्भाशयों में ठहराए रखते है। फिर तुम्हें एक बच्चे ेजिसे चाहत के रूप में निकाल लाते है। फिर (तुम्हारा पालन-पोषण होता है) ताकि तुम अपनी युवावस्था को प्राप्त हो और तुममें से कोई तो पहले मर जाता है और कोई बुढ़ापे की जीर्ण अवस्था की ओर फेर दियﺍ जाता है जिसके परिणामस्वरूप, जानने के पश्चात वह कुछ भी नहीं जानता। और तुम भूमि को देखते हो कि सूखी पड़ी है। फिर जहाँ हमने उसपर पानी बरसाया कि वह फबक उठी और वह उभर आई और उसने हर प्रकार की शोभायमान चीज़े उगाई

Al-Hajj (22:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

ذَٰلِكَ بِأَنَّ ٱللَّهَ هُوَ ٱلْحَقُّ وَأَنَّهُۥ يُحْىِ ٱلْمَوْتَىٰ وَأَنَّهُۥ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ قَدِيرٌ

এগুলো এ কারণে যে, আল্লাহ সত্য এবং তিনি মৃতকে জীবিত করেন এবং তিনি সবকিছুর উপর ক্ষমতাবান।

Who gives الله ﷻ He is the Truth, and it is He ,ﷻ That is because Allah .Who is Able to do all things ﷻ life to the dead, and it is He

यह इसलिए कि अल्लाह ही सत्य है और वह मुर्दों को जीवित करता है और उसे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्ती है

Al-Hajj (22:7)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَنَّ ٱلسَّاعَةَ ءَاتِيَةٌ لَّا رَيْبَ فِيهَا وَأَنَّ ٱللَّهَ يَبْعَثُ مَن فِي ٱلْقُبُورِ

,এবং এ কারণে যে, কেয়ামত অবশ্যম্ভাবী, এতে সন্দেহ নেই এবং এ কারণে যে কবরে যারা আছে, আল্লাহ তাদেরকে পুনরুত্থিত করবেন।

,And surely, the Hour is coming, there is no doubt about it, and certainly .will resurrect those who are in the graves ﷻAllah

और यह कि क़ियामत की घड़ी आनेवाली है, इसमें कोई सन्देह नहीं है। और यह कि अल्लाह उन्हें उठाएगा जो क़ब्रों में है

Al-An'aam (6:36)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّمَا يَسْتَجِيبُ ٱلَّذِينَ يَسْمَعُونَ وَٱلْمَوْتَىٰ يَبْعَثُهُمُ ٱللَّهُ ثُمَّ إِلَيْهِ يُرْجَعُونَ

তারাই মানে, যারা শ্রবণ করে। আল্লাহ মৃতদেরকে জীবিত করে উত্থিত করবেন। অতঃপর তারা তাঁরই দিকে প্রত্যাবর্তিত হবে।

,It is only those who listen (to the Message of Prophet Muhammad SAW) ﷻwill respond (benefit from it), but as for the dead (disbelievers), Allah will raise them up, then to Him they will be returned (for their .(recompense

मानते हो वही लोग है जो सुनते है, रहे मुर्दे, तो अल्लाह उन्हें (क़ियामत के दिन) उठा खड़ा करेगा; फिर वे उसी के ओर पलटेंगे

Resurrection, पुनर जीवन, البعثة

Al-Infitaar (82:1)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِذَا ٱلسَّمَآءُ ٱنفَطَرَتۡ

যখন আকাশ বিদীর্ণ হবে,

When the heaven is cleft asunder.

जबकि आकाश फट जाएगा

Al-Infitaar (82:2)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا ٱلْكَوَاكِبُ ٱنتَثَرَتْ

যখন নক্ষত্রসমূহ ঝরে পড়বে,

And when the stars have fallen and scattered;

और जबकि तारे बिखर जाएँगे

Al-Infitaar (82:3)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا ٱلْبِحَارُ فُجِّرَتْ

যখন সমুদ্রকে উত্তাল করে তোলা হবে,

And when the seas are burst forth (got dried up);

और जबकि समुद्र बह पड़ेंगे

Al-Infitaar (82:4)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا ٱلْقُبُورُ بُعْثِرَتْ

এবং যখন কবরসমূহ উম্মোচিত হবে,

And when the graves are turned upside down (and they bring out their contents)

और जबकि क़बें उखेड़ दी जाएँगी

▬▬▬▬ஜ۩▬۩ஜ▬▬▬▬

Al-Infitaar (82:5)

بسم الله الرحمن الرحيم

عَلِمَتْ نَفْسٌ مَّا قَدَّمَتْ وَأَخَّرَتْ

তখন প্রত্যেকে জেনে নিবে সে কি অগ্রে প্রেরণ করেছে এবং কি পশ্চাতে ছেড়ে এসেছে।

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

(Then) a person will know what he has sent forward and (what he has) left behind (of good or bad deeds).

तब हर व्यक्ति जान लेगा जिसे उसने प्राथमिकता दी और पीछे डाला

Al-Infitaar (82:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلۡإِنسَٰنُ مَا غَرَّكَ بِرَبِّكَ ٱلۡكَرِيمِ

হে মানুষ, কিসে তোমাকে তোমার মহামহিম পালনকর্তা সম্পর্কে বিভ্রান্ত করল?

O man! What has made you careless concerning your Lord,الله ﷻ the Most Generous?

ऐ मनुष्य! किस चीज़ ने तुझे अपने उदार प्रभु के विषय में धोखे में डाल रखा हैं?

▬▬▬▬❂▬❂▬▬▬▬

Al-Infitaar (82:7)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱلَّذِي خَلَقَكَ فَسَوَّىٰكَ فَعَدَلَكَ

যিনি তোমাকে সৃষ্টি করেছেন, অতঃপর তোমাকে সুবিন্যস্ত করেছেন এবং সুষম করেছেন।

ﷲﷻWho created you, fashioned you perfectly, and gave you due proportion;

जिसने तेरा प्रारूप बनाया, फिर नख-शिख से तुझे दुरुस्त किया और तुझे संतुलन प्रदान

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

किया

Al-Infitaar (82:8)

بسم الله الرحمن الرحيم

فِيٓ أَيِّ صُورَةٖ مَّا شَآءَ رَكَّبَكَ

যিনি তোমাকে তাঁর ইচ্ছামত আকৃতিতে গঠন করেছেন।

In whatever form He الله ﷻ willed, He put you together.

जिस रूप में चाहा उसने तुझे जोड़कर तैयार किया

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Al-Aadiyaat (100:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَفَلَا يَعْلَمُ إِذَا بُعْثِرَ مَا فِي ٱلْقُبُورِ

সে কি জানে না, যখন কবরে যা আছে, তা উত্থিত হবে

Knows he not that when the contents of the graves are brought out and poured forth (all mankind is resurrected).

तो क्या वह जानता नहीं जब उगवला लिया जाएगा तो क़ब्रों में है

Al-Aadiyaat (100:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَحُصِّلَ مَا فِى ٱلصُّدُورِ

এবং অন্তরে যা আছে, তা অর্জন করা হবে?

And that which is in the breasts (of men) shall be made known.

और स्पष्ट अनावृत्त कर दिया जाएगा तो कुछ सीनों में है

Al-Mujaadila (58:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَوْمَ يَبْعَثُهُمُ ٱللَّهُ جَمِيعًا فَيُنَبِّئُهُم بِمَا عَمِلُوٓا۟ ۚ أَحْصَىٰهُ ٱللَّهُ وَنَسُوهُ ۚ وَٱللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ شَهِيدٌ

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

সেদিন স্মরণীয়; যেদিন আল্লাহﷻ তাদের সকলকে পুনরুত্থিত করবেন, অতঃপর তাদেরকে জানিয়ে দিবেন যা তারা করত। আল্লাহﷻ তার হিসাব রেখেছেন, আর তারা তা ভুলে গেছে। আল্লাহﷻর সামনে উপস্থিত আছে সব বস্তুই।

On the Day when Allahﷻ will resurrect them all together (i.e. the Day of Resurrection) and inform them of what they did. Allahﷻ has kept account of it, while they have forgotten it. And Allahﷻ is Witness over all things.

जिस दिन अल्लाहﷻ उन सबको उठा खड़ा करेगा और जो कुछ उन्होंने किया होगा, उससे उन्हें अवगत करा देगा। अल्लाहﷻ ने उसकी गणना कर रखी है, और वे उसे भूले हुए है, और अल्लाहﷻ हर चीज़ का साक्षी है

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

An-Nahl (16:84)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَوْمَ نَبْعَثُ مِن كُلِّ أُمَّةٍ شَهِيدًا ثُمَّ لَا يُؤْذَنُ لِلَّذِينَ كَفَرُوا۟ وَلَا هُمْ يُسْتَعْتَبُونَ

যেদিন আমি প্রত্যেক উম্মত থেকে একজন বর্ণনাকারী দাঁড় করাব, তখন কাফেরদেরকে অনুমতি দেয়া হবে না এবং তাদের তওবা ও গ্রহণ করা হবে না।

And (remember) the Day when We ﷻ shall raise up from each nation a witness (their Messenger), then, those who have disbelieved will not be given leave (to put forward excuses), nor will they be allowed (to return to the world) to repent and ask for Allah ﷻ's Forgiveness (of their sins, etc.).

याद करो जिस दिन हम हर समुदाय में से एक गवाह खड़ा करेंगे, फिर जिन्होंने इनकार

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

किया होगा उन्हें कोई अनुमति प्राप्त न होगी। और न उन्हें इसका अवसर ही दिया जाएगा वे उसे राज़ी कर लें

An-Naml (27:65)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُل لَّا يَعْلَمُ مَن فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ ٱلْغَيْبَ إِلَّا ٱللَّهُ وَمَا يَشْعُرُونَ أَيَّانَ يُبْعَثُونَ

বলুন, আল্লাহ ব্যতীত নভোমন্ডল ও ভূমন্ডলে কেউ গায়বের খবর জানে না এবং তারা জানে না যে, তারা কখন পুনরুজ্জীবিত হবে।

Say: "None in the heavens and the earth knows the Ghaib (unseen) except Allah, ﷻ nor can they perceive when they shall be resurrected."

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

कहो, "आकाशों और धरती में जो भी है, अल्लाह के सिवा किसी को भी परोक्ष का ज्ञान नहीं है। और न उन्हें इसकी चेतना प्राप्त है कि वे कब उठाए जाएँगे।"

Al-An'aam (6:55)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَكَذَٰلِكَ نُفَصِّلُ ٱلْءَايَٰتِ وَلِتَسْتَبِينَ سَبِيلُ ٱلْمُجْرِمِينَ

আর এমনিভাবে আমি নিদর্শনসমূহ বিস্তারিত বর্ণনা করি-যাতে অপরাধীদের পথ সুস্পষ্ট হয়ে উঠে।

And thus do We ﷻ explain the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) in detail, that the way of the Mujrimun (criminals, polytheists, sinners), may become manifest.

इसी प्रकार हम अपनी आयतें खोल-खोलकर बयान करते है (ताकि तुम हर ज़रूरी बात

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

जान लो) और इसलिए कि अपराधियों का मार्ग स्पष्ट हो जाए

Al-An'aam (6:65)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ هُوَ ٱلْقَادِرُ عَلَىٰٓ أَن يَبْعَثَ عَلَيْكُمْ عَذَابًا مِّن فَوْقِكُمْ أَوْ مِن تَحْتِ أَرْجُلِكُمْ أَوْ يَلْبِسَكُمْ شِيَعًا وَيُذِيقَ بَعْضَكُم بَأْسَ بَعْضٍ ٱنظُرْ كَيْفَ نُصَرِّفُ ٱلْءَايَٰتِ لَعَلَّهُمْ يَفْقَهُونَ

আপনি বলুনঃ তিনিই শক্তিমান যে, তোমাদের উপর কোন শাস্তি উপর দিক থেকে অথবা তোমাদের পদতল থেকে প্রেরণ করবেন অথবা তোমাদেরকে দলে-উপদলে বিভক্ত করে সবাইকে মুখোমুখী করে দিবেন এবং এককে অন্যের উপর আক্রমণের স্বাদ আস্বাদন করাবেন। দেখ, আমি কেমন ঘুরিয়ে-ফিরিয়ে নিদর্শনাবলী বর্ণনা করি যাতে তারা বুঝে নেয়।

Say: "He}·الله ﷻ has power to send torment on you from above or from

under your feet, or to cover you with confusion in party strife, and make you to taste the violence of one another." See how variously We ﷲexplain the Ayat (proofs, evidences, lessons, signs, revelations, etc.), so that they may understand.

कहो, "वह इसकी सामर्थ्य रखता है कि तुमपर तुम्हारे ऊपर से या तुम्हारे पैरों के नीचे से कोई यातना भेज दे या तुम्हें टोलियों में बाँटकर परस्पर भिड़ा दे और एक को दूसरे की लड़ाई का मज़ा चखाए।" देखो, हम आयतों को कैसे, तरह-तरह से, बयान करते है, ताकि वे समझे

Al-Ankaboot (29:40)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَكُلًّا أَخَذْنَا بِذَنۢبِهِۦ ۖ فَمِنْهُم مَّنْ أَرْسَلْنَا عَلَيْهِ حَاصِبًا وَمِنْهُم مَّنْ أَخَذَتْهُ ٱلصَّيْحَةُ وَمِنْهُم مَّنْ خَسَفْنَا بِهِ ٱلْأَرْضَ وَمِنْهُم مَّنْ أَغْرَقْنَا ۚ وَمَا كَانَ ٱللَّهُ لِيَظْلِمَهُمْ وَلَٰكِن كَانُوٓا۟ أَنفُسَهُمْ يَظْلِمُونَ

আমি প্রত্যেককেই তার অপরাধের কারণে পাকড়াও করেছি। তাদের কারও প্রতি প্রেরণ করেছি প্রস্তরসহ প্রচন্ড বাতাস, কাউকে পেয়েছে বজ্রপাত, কাউকে আমি বিলীন করেছি ভূগর্ভে এবং কাউকে করেছি নিমজ্জত। আল্লাহ তাদের প্রতি যুলুম করার ছিলেন না; কিন্তু তারা নিজেরাই নিজেদের প্রতি যুলুম করেছে।

So We اللهﷻpunished each (of them) for his sins, of them were some on whom Weاللهﷻ sent Hasiban (a violent wind with shower of stones) [as the people of Lout (Lot)], and of them were some who were overtaken by As-Saihah [torment - awful cry, etc. (as Thamud or Shu'aib's people)], and of them were some whom We caused the earth to swallow [as Qarun (Korah)], and of them were some whom We اللهﷻdrowned [as the people of Nuh (Noah), or Fir'aun (Pharaoh) and his people]. It was not Allah ﷻWho wronged them, but they wronged themselves.

अन्तत: हमने हरेक को उसके अपने गुनाह के कारण पकड़ लिया। फिर उनमें से कुछ पर तो हमने पथराव करनेवाली वायु भेजी और उनमें से कुछ को एक प्रचंड चीत्कार न

आ लिया। और उनमें से कुछ को हमने धरती में धँसा दिया। और उनमें से कुछ को हमने डूबो दिया। अल्लाह तो ऐसा न था कि उनपर ज़ुल्म करता, किन्तु वे स्वयं अपने आपपर ज़ुल्म कर रहे थे

Al-Hajj (22:45)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَكَأَيِّن مِّن قَرْيَةٍ أَهْلَكْنَاهَا وَهِيَ ظَالِمَةٌ فَهِيَ خَاوِيَةٌ عَلَىٰ عُرُوشِهَا وَبِئْرٍ مُّعَطَّلَةٍ وَقَصْرٍ مَّشِيدٍ

আমি কত জনপদ ধ্বংস করেছি এমতাবস্থায় যে, তারা ছিল গোনাহগার। এই সব জনপদ এখন ধ্বংসস্তুপে পরিণত হয়েছে এবং কত কূপ পরিত্যক্ত হয়েছে ও কত সুদৃঢ় প্রাসাদ ধ্বংস হয়েছে।

And many a township have Weالله ﷻ destroyed while it was given to wrong-doing, so that it lies in ruins (up to this day), and (many) a deserted

well and lofty castles!

कितनी ही बस्तियाँ है जिन्हें हमने विनष्ट कर दिया इस दशा में कि वे ज़ालिम थी, तो वे अपनी छतों के बल गिरी पड़ी है। और कितने ही परित्यक्त (उजाड़) कुएँ पड़े है और कितने ही पक्के महल भी!

Ar-Room (30:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَوَلَمْ يَسِيرُوا۟ فِى ٱلْأَرْضِ فَيَنظُرُوا۟ كَيْفَ كَانَ عَـٰقِبَةُ ٱلَّذِينَ مِن قَبْلِهِمْ كَانُوٓا۟ أَشَدَّ مِنْهُمْ قُوَّةً وَأَثَارُوا۟ ٱلْأَرْضَ وَعَمَرُوهَآ أَكْثَرَ مِمَّا عَمَرُوهَا وَجَآءَتْهُمْ رُسُلُهُم بِٱلْبَيِّنَـٰتِ فَمَا كَانَ ٱللَّهُ لِيَظْلِمَهُمْ وَلَـٰكِن كَانُوٓا۟ أَنفُسَهُمْ يَظْلِمُونَ

তারা কি পৃথিবীতে ভ্রমণ করে না অতঃপর দেখে না যে; তাদের পূর্ববর্তীদের

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

পরিণাম কি কি হয়েছে? তারা তাদের চাইতে শক্তিশালী ছিল, তারা যমীন চাষ করত এবং তাদের চাইতে বেশী আবাদ করত। তাদের কাছে তাদের রসূলগণ সুস্পষ্ট নির্দেশ নিয়ে এসেছিল। বস্তুতঃ আল্লাহ তাদের প্রতি জুলুমকারী ছিলেন না। কিন্তু তারা নিজেরাই নিজেদের প্রতি জুলুম করেছিল।

Do they not travel in the land, and see what was the end of those before them? They were superior to them in strength, and they tilled the earth and populated it in greater numbers than these (pagans) have done, and there came to them their Messengers with clear proofs. Surely, Allahﷻ wronged them not, but they used to wrong themselves.

क्या वे धरती में चले-फिरे नहीं कि देखते कि उन लोगों का कैसा परिणाम हुआ जो उनसे पहले थे? वे शक्ति में उनसे अधिक बलवान थे और उन्होंने धरती को उपजाया और उससे कहीं अधिक उसे आबाद किया जितना उन्होंने आबाद किया था। और उनके पास उनके रसूल प्रत्यक्ष प्रमाण लेकर आए। फिर अल्लाह ऐसा न था कि उनपर ज़ुल्म करता। किन्तु वे स्वयं ही अपने आप पर ज़ुल्म करते थे

At-Tawba (9:69)

بسم الله الرحمن الرحيم

كَٱلَّذِينَ مِن قَبْلِكُمْ كَانُوٓا۟ أَشَدَّ مِنكُمْ قُوَّةً وَأَكْثَرَ أَمْوَٰلًا وَأَوْلَٰدًا فَٱسْتَمْتَعُوا۟ بِخَلَٰقِهِمْ فَٱسْتَمْتَعْتُم بِخَلَٰقِكُمْ كَمَا ٱسْتَمْتَعَ ٱلَّذِينَ مِن قَبْلِكُم بِخَلَٰقِهِمْ وَخُضْتُمْ كَٱلَّذِى خَاضُوٓا۟ أُو۟لَٰٓئِكَ حَبِطَتْ أَعْمَٰلُهُمْ فِى ٱلدُّنْيَا وَٱلْءَاخِرَةِ وَأُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ ٱلْخَٰسِرُونَ

যেমন করে তোমাদের পূর্ববর্তী লোকেরা তোমাদের চেয়ে বেশী ছিল শক্তিতে এবং ধন-সম্পদের ও সন্তান-সন্ততির অধিকারীও ছিল বেশী; অতঃপর উপকৃত হয়েছে নিজেদের ভাগের দ্বারা আবার তোমরা ফায়দা উঠিয়েছ তোমাদের ভাগের দ্বারা-যেমন করে তোমাদের পূর্ববর্তীরা ফায়দা উঠিয়েছিল নিজেদের ভাগের দ্বারা। আর তোমরাও বলছ তাদেরই চলন অনুযায়ী। তারা ছিল সে লোক, যাদের আমলসমূহ নিঃশেষিত হয়ে গেছে দুনিয়া ও আখেরাতে। আর তারাই হয়েছে ক্ষতির সম্মুখীন।

Like those before you, they were mightier than you in power, and more abundant in wealth and children. They had enjoyed their portion awhile,

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

so enjoy your portion awhile as those before you enjoyed their portion awhile; and you indulged in play and pastime (and in telling lies against Allah ﷻ and His Messenger Muhammad SAW) as they indulged in play and pastime. Such are they whose deeds are in vain in this world and in the Hereafter. Such are they who are the losers.

उन लोगों की तरह, जो तुमसे पहले गुज़र चुके हैं, वे शक्ति में तुमसे बढ़-बढ़कर थे और माल और औलाद में भी बढ़े हुए थे। फिर उन्होंने अपने हिस्से का मज़ा उठाना चाहा और तुमने भी अपने हिस्से का मज़ा उठाना चाहा, जिस प्रकार कि तुमसे पहले के लोगों ने अपने हिस्से का मज़ा उठाना चाहा, और जिस वाद-विवाद में तुम पड़े थे तुम भी वाद-विवाद में पड़ गए। ये वही लोग है जिनका किया-धरा दुनिया और आख़िरत में अकारथ गया, और वही घाटे में है

Al-Hajj (22:46)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَفَلَمْ يَسِيرُوا۟ فِى ٱلْأَرْضِ فَتَكُونَ لَهُمْ قُلُوبٌ يَعْقِلُونَ بِهَآ أَوْ ءَاذَانٌ

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

يَسۡمَعُونَ بِهَا فَإِنَّهَا لَا تَعۡمَى ٱلۡأَبۡصَٰرُ وَلَٰكِن تَعۡمَى ٱلۡقُلُوبُ ٱلَّتِي فِي ٱلصُّدُورِ

তারা কি এই উদ্দেশ্যে দেশ ভ্রমণ করেনি, যাতে তারা সমঝদার হৃদয় ও শ্রবণ শক্তি সম্পন্ন কর্ণের অধিকারী হতে পারে? বস্তুতঃ চক্ষু তো অন্ধ হয় না, কিন্তু বক্ষ স্থিত অন্তরই অন্ধ হয়।

Have they not travelled through the land, and have they hearts wherewith to understand and ears wherewith to hear? Verily, it is not the eyes that grow blind, but it is the hearts which are in the breasts that grow blind.

क्या वे धरती में चले फिरे नहीं है कि उनके दिल होते जिनसे वे समझते या (कम से कम) कान होते जिनसे वे सुनते? बात यह है कि आँखें अंधी नहीं हो जातीं, बल्कि वे दिल अंधे हो जाते है जो सीनों में होते है

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Al-Hajj (22:47)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَسْتَعْجِلُونَكَ بِٱلْعَذَابِ وَلَن يُخْلِفَ ٱللَّهُ وَعْدَهُۥ وَإِنَّ يَوْمًا عِندَ رَبِّكَ كَأَلْفِ سَنَةٍ مِّمَّا تَعُدُّونَ

তারা আপনাকে আযাব ত্বরান্বিত করতে বলে। অথচ আল্লাহ কখনও তাঁর ওয়াদা ভঙ্গ করেন না। আপনার পালনকর্তার কাছে একদিন তোমাদের গণনার এক হাজার বছরের সমান।

And they ask you to hasten on the torment! And Allah ﷻ fails not His Promise. And verily, a day with your Lord ﷻ is as a thousand years of what you reckon.

और वे तुमसे यातना के लिए जल्दी मचा रहे है! अल्लाह कदापि अपने वादे के विरुद्ध न करेंगा। किन्तु तुम्हारे रब के यहाँ एक दिन, तुम्हारी गणना के अनुसार, एक हजार वर्ष जैसा है

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Al-Furqaan (25:39)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَكُلًّا ضَرَبْنَا لَهُ ٱلْأَمْثَٰلَ وَكُلًّا تَبَّرْنَا تَتْبِيرًا

আমি প্রত্যেকের জন্যেই দৃষ্টান্ত বর্ণনা করেছি এবং প্রত্যেককেই সম্পুর্ণরূপে ধ্বংস করেছি।

And for each of them We الله ﷻput forward examples (as proofs and lessons, etc.), and each (of them) We ﷻ brought to utter ruin (because of their disbelief and evil deeds).

प्रत्येक के लिए हमने मिसालें बयान कीं। अन्ततः प्रत्येक को हमने पूरी तरह विध्वस्त कर दिया

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Nooh (71:26)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالَ نُوحٌ رَّبِّ لَا تَذَرْ عَلَى ٱلْأَرْضِ مِنَ ٱلْكَٰفِرِينَ دَيَّارًا

নূহ আরও বললঃ হে আমার পালনকর্তা, আপনি পৃথিবীতে কোন কাফের গৃহবাসীকে রেহাই দিবেন না।

And Nuh (Prophet Noah of Ark....a.s.) said:

"My Lord!

 اللهﷻLeave not one of the disbelievers on the earth!

और नूह ने कहा, "ऐ मेरे रब! धरती पर इनकार करनेवालों में से किसी बसनेवाले को न छोड

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Nooh (71:27)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّكَ إِن تَذَرْهُمْ يُضِلُّوا۟ عِبَادَكَ وَلَا يَلِدُوٓا۟ إِلَّا فَاجِرًا كَفَّارًا

যদি আপনি তাদেরকে রেহাই দেন, তবে তারা আপনার বান্দাদেরকে পথভ্রষ্ট করবে এবং জন্ম দিতে থাকবে কেবল পাপাচারী, কাফের।

"If You ﷻ leave them, they will mislead Your slaves, and they will beget none but wicked disbelievers."

"यदि तू उन्हें छोड़ देगा तो वे तेरे बन्दों को पथभ्रष्ट कर देंगे और वे दुराचारियों और बड़े अधर्मियों को ही जन्म देंगे

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Nooh (71:28)

بسم الله الرحمن الرحيم

رَّبِّ ٱغْفِرْ لِى وَلِوَٰلِدَىَّ وَلِمَن دَخَلَ بَيْتِىَ مُؤْمِنًا وَلِلْمُؤْمِنِينَ وَٱلْمُؤْمِنَٰتِ وَلَا تَزِدِ ٱلظَّٰلِمِينَ إِلَّا تَبَارًۢا

হে আমার পালনকর্তা! আপনি আমাকে, আমার পিতা-মাতাকে, যারা মুমিন হয়ে আমার গৃহে প্রবেশ করে-তাদেরকে এবং মুমিন পুরুষ ও মুমিন নারীদেরকে ক্ষমা করুন এবং যালেমদের কেবল ধ্বংসই বৃদ্ধি করুন।

"My Lord! ﷻ Forgive me, and my parents, and him who enters my home as a believer, and all the believing men and women. And to the Zalimun (polytheists, wrong-doers, and disbelievers, etc.) grant You no increase but destruction!"......Amen......

"ऐ मेरे रब! मुझे क्षमा कर दे और मेरे माँ-बाप को भी और हर उस व्यक्ति को भी जो मेरे

घर में ईमानवाला बन कर दाख़िल हुआ और (सामान्य) ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों को भी (क्षमा कर दे), और ज़ालिमों के विनाश को ही बढ़ा।"

Ȯ **Warning-** ȭ

لزم اللغة العربية

خيركم من تعلم القرءان و علمه،،،

The best amongst You(Muslims)is that Muslim who Strives to Learn ARABIC Syntax_VYAKARAN and Teaches Arabic to others FREELY as much as possible,to the best of his ability.,,Taking money in lieu of services ,will deprive him of the Favours of Allaahu,ﷻswt, on the day of Qiyamah.....

ǧ w ǰ **a** Ǭ **r** Ƽ **n** Ħ **those near and far to U ,not to take FEES for**

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

teaching Arabic..Elements of Physics like..Alpha,Beta,Theta,Kappa Lamda,Mazda can be traded ,but Trading in Allaahu,swt,s Arabic,

꧰꧰꧰꧰꧰꧰꧰꧰꧰꧰

.. ꟾ TRading Ǩ in

Λ ALEF,BAAU,TAAU,KAAFU,LAAMU,MEEMU,will prove to be Dangerously Dreadful there....in the جهنم سعير،نار،

A muslim devoid of Arabic and Quran will be kept out of Jannah,Paradise,Heaven,Eden gardens

Got it?

Are you with me?

҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈

◤◢◤◢◤

҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈҉◈

✶○✶○✶○✶○✶○AHADITH ON BEARD

1. Dress

Bukhari :: Book 7 :: Volume 72 :: Hadith 781

Narrated Ibn 'Umar:

Allah'ﷻs Apostle said, "Cut the moustaches short and leave the beard (as it is)."

2. Purification (Kitab Al-Taharah)

Dawud :: Book 1 : Hadith 52

Narrated Aisha, Ummul Mu'minin:

The Apostle of Allahﷻ (peace_be_upon_him) said: Ten are the acts according to fitrah (nature): clipping the moustache, letting the beard grow, using the tooth-stick, cutting the nails, washing the finger joints, plucking the hair under the arm-pits, shaving the pubes, and cleansing one's private parts (after easing or urinating) with water. The narrator said: I have forgotten the tenth, but it may have been rinsing the mouth.

3. The Book of Purification (Kitab Al-Taharah)

Muslim :: Book 2 : Hadith 498

Ibn Umar said: The Apostle of Allahﷻ (may peace be upon him) said: Trim closely the moustache, and let the beard grow.

4. The Book of Purification (Kitab Al-Taharah)

Muslim :: Book 2 : Hadith 499

Ibn Umar said: The Apostle of Allah ﷻ(may peace be upon him) ordered us to trim the moustache closely and spare the beard.

5. The Book of Purification (Kitab Al-Taharah)

Muslim :: Book 2 : Hadith 500

Ibn Umar said: The Messenger of Allahﷻ (may peace be opon him) said: Act against the polytheists, trim closely the moustache and grow beard.

6. The Book of Purification (Kitab Al-Taharah)

Muslim :: Book 2 : Hadith 501

Abu Huraira reported: The Messenger of Allahﷻ (may peace be

upon him) said: Trim closely the moustache, and grow beard, and thus act against the fire-worshippers.

7. The Book of Purification (Kitab Al-Taharah)

Muslim :: Book 2 : Hadith 502

'A'isha reported: The Messenger of Allah ﷻ (may peace be upon

him) said: Ten are the acts according to fitra: clipping the moustache, letting the beard grow, using the tooth-stick, snuffing water in the nose, cutting the nails, washing the finger joints, plucking the hair under the armpits, shaving the pubes and cleaning one's private parts with water. The narrator said: I have forgotten the tenth, but it may have been rinsing the mouth.

##;

Sahih Al-Bukhari Volume 7, Book 72, Hadith # 781:

It is narrated about Ibn Umar (Radhiallaahu Án) "Ibn Umar used to cut his moustache so short that the whiteness of his skin (above the upper lip) was visible"

Unfortunatly the Muslims today have adopted the ways of NonMuslims , shaving beards/or Keeping insufficient beards of various sizes

Starting from 3%KhasKhasy ,to 49%Muttibhar,/Fistful.

We should fear Allah ﷻ(SWT) and go back to what Rasulullah

(Sallallaahu Álayhi Wasallam) has ordered us to do. "As it comes in Sahih Al-bukhari Volume 7, Book 72, Hadith # 780: Narrated Nafi': Ibn

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Umar said, The Prophet said, 'Do the opposite of what the pagans do. Keep the beards and cut the moustaches short.' May Allah(SWT) bring the Muslims back on this! Even Ibrahim (AS) used to do this as it comes in the next hadith...

###

▬ 8 \\\ఫలస్తిన\గాజా\లో నరమేధా, జినోసైడ్, మలహామ\///////
ఇంతైనా ధైవాజ్ఞలను కాలరాచి,తౌబఃచేసుకోని,గెడ్డాలుగీసి,కోసి,
నసారలలా బతికే సిగ్గుయెగ్గులేని చెడ్డి,జెర్కిన్,సఫారీసూటు,బూటు,
హేటు,వైన్,విస్కీ,సిగార్, డాగీ,కేట్,రేట్,కాటరాక్టు,మైఓపిక్,అస్టిగ్మేటిక్,
ఫిర్ఔనీ,అన క్రానిక్,నామమాత్రపు,,రేసిస్టువుద్దూప్రేమీ**50:50,**
ముసిలిమానులపై పిడుగు పడుగాక\\\\\

తండ్రిపేరుతెలియని తనయులు,రండముండకోమర
నసారా,కిబ్బుట్జీ**kibbutz,**మోసగాళ్ళమొస్సాదీకేటు,యెహూదీ,బుల్షిట్ట్
రాల్లరప్పలబుల్లయ్యలను దేవుడు ఈనేలపైనే రాచిరంపానబెట్టి,
అతలాకుతలం జేసి, భస్మంచేయుగాక,\

,\యా వాసిఅల్ మగ్ఫిరతి!యా హయ్యు యా కయ్యూము!

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

యా అర్హమర్రాహిమీన !\

ఇర్హమ్! ముస్లిమీన వఅల్ ముస్లిమాత్ అల్లదీన కుతిలూ ఫీ కుల్లి అహ్యాయిన్ బిగైరి హక్కిన్,వగ్ఫిర్ లహుమ్,వర్హమ్ హుమ్,వద్ఖిల్ హుముల్ జన్నః....\\ఆమీన్\\యా రఆబ్బుల్ ఆలమీన\\

త్సుమ్మ అమీన్!\\

✽○○⋆ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○

Document by KRISTINA MARIUM,KHADIJA FARIHA,

✽○○⋆ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○○⋆ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○○⋆ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○

Doxc. verified by ShahTogademuttipenda @asansol

,+ Snake Mullamoolyzakatdecote@Howrah,

+Murshad Gangeshter Aqrab@murshidabad..

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

dtp by jiddujaHoolan Zalooman with Technical help from EScIondiaAeioupPlleRajae,CCIE,

800 SALON KA TAWEEL ARSE ME ,TABLEEGH KA ICON ISTEAMAAL HOTAA RAHAA,MAGAR AFSAUOS! +OFF COURSE/TABLEEGH NAAM KI CHEEZ NAHI,

SIRF SARPE TOPI BACHA...dalchaa ka handi ke sangaath

...jiye..bagarakhanaa,marqadi sleep.,markozi doze off, Shamsabad,amberpet ka 6number,free boarding and lodging +ecomomical loWcost TOURISM.....galiyon me bullish gushty khusty..Pushty Chusty....at wrong timies....

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

DEKH TERE INSAAN KI HAALATH KYAA HOGAYI ALLAAH

-/-

KITANAA BADAL GAYAA HAI_HAI_HAI_hai,hai,hai,

Local HayaWAAN

score board of one sided never ending mismatch since 1914....in Gaza,Filistine

Maqtooleena...95000+++

Doxc.   by   KRISTINA,FARHA,KHADIJA

Majrooheena....300000++++

Atfaal,wa Nisaaa....75000+++

Buyootu allaatee Dummirat bilTaaeraat,Qumbulaat,,dabbaabaat.,wa ghairihaaa.....98%

Jannaat wa Huqool hurriqat bil qumbulaat min bhosbhorus....90%

Saafinaatu liSydil Asmaak alBahriyyati allaatee dummirat..wa Hurriqat....100%

(Thirsty_)Atshaanoona wal (Hungry_Famished.)Jawwaanoona bi ghyril (withoutH2o)Maaa, watTaami (without Food+Eats)walLibaasi(without dresses),...wakulliAshyaayin (necessities)Tahtaaju Kullu Insaanin wa Hayawaanin...30,00,000.+++

*****Annissaaau allaatee Rummilat wa qutilat.....wa**

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

wukkilat Bi kilaabil Askiriyyatil yehoodiyyati...

*******AlShaabbu alldeena dummiroo bil dabbaabaat,....**

*******Al Mardaa alladeena quttiloo fi Mustaoshafaat...**

******* at atfaal allaaty qutilat bi adam wajoodi adviyyat wa muaalizaat,wa aaksijen...O2_wa biqillatil Ashiyaail Daroriyyati....**

Still westren Educated drug addicted deluded dajjaaly Fahaashy Princes are supporting the malUooniyyeen....waillullahum ajmaeeen...aameen ya rabbal aalameena...

******Wallaahu Aalamu bil Haqeeqti.**

God knows the truth and water knows the depths.

\\\\\110 యేండ్లగా బలిపశువులు ఈ ఫిలీస్తీనీ ముస్లింలు .

**.మానవ\దానవ\రాక్షస\గొబ్బగల\గూబరల\..కొంగొత్త ఆయుధాలకు సమిధలు ఈ ఈ ఫిలీస్తీనీ ముస్లింల పిల్లలు **

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

నీతిలేని లోకమా

వలపే మహా అపరాధమా

నసారాల మాటలునీటిమూటలే

నీతిలేని లోకమా

\\\\\\నసారలలా బతికే సిగ్గుయెగ్గులేని ముసిలిమానులపై పిడుగు పడుగాక\\\\\\ఆమీన్

۞

○ ○○❖○ ۞○۞○۞۞○۞○۞○۞

/\\\/\\/\\/\\///\//\//\//\\\/\

దైవశాపగ్రస్త

మునాఫికు, ముష్రికు, కాఫీరులకు, భువియే, స్వర్గం, అనుభవీ రాజా! అష్ట ఐశ్వర్యాలూ!

చిర్రుబుర్రులూ చిందులూ ఆడాలే!!! తాగి,తాకి,తందనాలు ఆడాలే!!!

నేలపై ఆకతాయి అల్లర్లు రేపాలే!రేపులు,గ్రేపులూ వుండనే వుండే!!!ఉచ్చ పెట్రోలు

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// **Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son).**/// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

కానీయ్యాలే!!!అంతా అదుర్స్!!!?ఖా,పీకర్ కపాస్ బనాదేనా!!!

చింపేయ్యాలే!!!!!!సుక్క, ముక్క,బొమిక...ఉండనేవుండే

విరుచుక\టూట్ పడేనునేను!\\\ఆకేస్కో,వక్కేస్కో,ఆపైన సూస్కోంటాన్//;

\\సుగం యెంగే?:ఇదో ఇంగే!

\\\యవ్వనమే ఓకే >కానుకలే///జీవితమే ఓకే >వేడుకలే

\\\\ ముందున్నదిలే ముసళ్ళ పండగ \\\\

At-Tawba (9:38)بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ مَا لَكُمْ إِذَا قِيلَ لَكُمُ ٱنفِرُواْ فِي سَبِيلِ ٱللَّهِ ٱثَّاقَلْتُمْ إِلَى ٱلْأَرْضِۚ أَرَضِيتُم بِٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا مِنَ ٱلْءَاخِرَةِۚ فَمَا مَتَٰعُ ٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا فِي ٱلْءَاخِرَةِ إِلَّا قَلِيلٌ

O you who believe! What is the matter with you, that when you are asked to march forth in the Cause of Allaahu,swt, you cling heavily to the earth? Are you pleased with the life of this world rather than the Hereafter? But little is the enjoyment of the life of this world as compared with the Hereafter.

దునియాదారీ,విర్రవీగుళ్ళూ,లంచాలూ,మంచాలూ,కంచాలూ,చెంచాలూ,పంచలూ, ధారలూ,

రేపు {{{౬౮అసలు మౌలానా౬౮}}}వారి సుప్రీంకోర్టులో చెల్లవే!!!! నేంజేసిన

మంచితప్ప,తతిమ్మా లన్నీ నా బేలన్సుషీటు\చిట్టాలో లయబిలిటీస్ గా మారి నాపై

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

భారీగా

విరుచుకుపడగలవే!!!!;౬౮Beware of fradulent muttifund zakat hadpe money launderers masquerading as moulaanaas....

నా "అస్సెట్స్" నా "ఈమానం",ఇంకా ((నేను))అంటే

అరబీ((నహ్ను))తమిళ,మళయాల((నాన్,))కన్నడ ((నిన్న\నన్ను))చేసిన మంచిపనులు

మాత్రమే,నన్ను కాపాడగలవ్!!!!!అని!!!

మాగోరవ, శిరోధార్య,కుచ్చుకుళ్ళాయ్,పిల్లిగెడ్డపు,పండిత,షాబావులాన

ముట్టడిఫండవీ,జకాతుహడపీ,ఈనాడే((చేవెళ్ళ)) లో ఘంటాపథంగా యెగిరెగిరి అరిచి కరిచి

గోసపెట్టి గట్టిగా జెప్పిండు!!!!

మరి యీనాలా \ వద్దా

What muslims in Hindustan couldn't do In 1000 years ,(mislems were ,otherwise busy in .w*.w*.w*..زن‎zen,زيور‎zewr,زمين‎zamin,) But the Nascent Effervescent

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Arianic"Crocus Sativus" has accomplished complete control in 70 years only..in Mera Bharat Mahan .

[W*w*w*-wine,wealth,women,]

Quantum Physics......The Devastating_ ...Shytaany_Satanic Effect......in the ever expanding universal Mass_

Neutrons,Protons, and all Fringe particles are in constant motion ,collision course◯ ◯◯ ?/demotion affected effectively by selectvely elected conglomerate of fissionable-emotions of various Greko-Rumaany-ZwendAwesthe hues and colours entwined intricately in Goongaa Jhoomnaa Tehzeeby Tamaddan and of course a grand sense of belonging to a particular Schismatic Marzy Roghany Rougey _Buzrogy iconic,denomination of Dalleen Sosey wollencoatsoofeee softwared ,Technolgized fabricated in the great Majoosy lands of Daariooos,jerkyXerxes,Mageaanmagillan magicalmaggi fire of PadreNamkeen-MaadreTalkh _DukhtereTwofey_watan...AryaMohraZohraKohra,Dakaaraa,Pukaaraa,Baakaaraa,Bargandy Kontiki_men_hellbent on spreading PURE FASAAD in every nook and corner of the Ertz,Ardh,Earth,......with a lot of Nostalgic Analgesic Past ....but

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

certainly a bleak future......They the Fireworshippers Love Aatish_so they are going to land in their favvy AAATISHY Abode _NAARU JAHANNAM...once for all..That is the crux of their Allamma_Ullemma_Matter_,

No matter what i blabber, ...Physical Matter can neither be created nor destroyed_of course it nay change from one to the other state_Solid,Liquid,Gaseous ...Tridentic Triad TeenTrishul Trayam Three...

Eg.Water_ H^2o

1_Normally Liquid...

2_Frost,Ice,at Low Temparature....

3_Gas,Vapour at High Temerature +++Atmospheric Pressure...Who created all these Qudraty Forces.....

Ans: Say Allaahu...The AlMighty...Khaliqu Kulli Shy'in....

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চূর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Look at the Vomity Comity of Notions,Uno,

Demonocratic Venom Spewing west...Created an Enormous human tragegdy in Palestine....even after 110 years Palestinian Muslims are suffering, More than 10,00,000 homes ,Mosques,Villages,Town,Cities of peaceful citizens have been BullDozed,,Lakhs of Muslims have been killed,Millions transformed into Refugees...killing and destruction of homes is the State sponsored Tyrranical Policy of the Culturally Vulturized blood thirsty ,Sadists since 110+ years......watching the inhuman Tragedies Gleefully on their Media ......are the gftl BananaLands....

.....Baitul Maqdis....Aqsa may go the Babar way.....The demon of God disLoyal_Qaabid_Disrael is working overtime in destruction,killings,murders and GENOCIDAL mayhem...spreading Fasaad...through Mossaaad....of late .this State sponsored Terror Technology is being exported to barre kabaaer....of course for a hefty Fee.

The latest score o2/03/2024////ALjazeera channel..the ACTUAL FIGURES ARE CERTAINLY MORE....MANY buried UNDER THE DEBRIS ....of 400,000 Houses/.Appartments../स्कूल्स/कॉलेजेस/

**होस्पिटल्स/हॉस्पिशियस/यूनिवर्सिटीज ,पब्लिक बिल्डिंग्स,WAGHYRA.....గాజాగాజుగడ్డ తాజాగా రక్తసిక్తమైపోయే,ఇళ్ళు అన్నీ నేలమట్టం.....10,000,బుల్లుడోజర్లు రేయింబవళ్ళు పరుగెడుతున్నాయి....ఆక్రమితం,! అన్యాక్రాంతం!, అమానుషం! వైద్యం అమేధ్యం!ఆఘోరం!! అపార అన్యాయం,అఖుంఠిత అమానుష అంతులేని దానవతాండవం, ఐనా రాక్షసనరభక్షకరక్తపిపాస తీరలే **

Doxc. by KRISTINA,FARHA,KHADIJA

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচূর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

\\\\\\\\

కలలు పండే కాలమంతా కనుల ముందే కదిలిపోయే..

లేతమనసుల చిగురుటాశలు.. పూతలోనే రాలిపోయే..

\\\\\\\\

జాలితలచి కన్నీరు తుడిచే దాతలే కనరారే..

చితికి పోయిన జీవితమంతా చింతలో చితి ఆయే..

\\\\\\\\

నీడ చూపే నెలవు మనకూ నిదుర(చావు)యేరా తమ్ముడా..

\\\\\\\\

హాయ్ రే దున్యా! హమ్ ప్యార్ కే భీ హక్ దార్ నహీ!

\\\\\\\\

Continued military funding for Israel amid Gaza invasion........

The United States is by far the biggest funder of the

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son)./// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)

Israeli military, providing more than $30bn in aid annually.,besides financial grants ,and many other hidden concessions, Presently, US is sending an additional $14bn to support Tel Aviv’s GENOCIDAL,నరసంహార\ నరరూపరాక్షస,\నరేంద్ర\operations in Gaza.

Washington sent guided-missile carriers and F-35 fighter jets, as well as other military equipment to Tel Aviv

Al-Anbiyaa (21:18) /// বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিক্ষেপ করি, অতঃপর সত্য মিথ্যার মস্তক চুর্ণ-বিচুর্ণ করে দেয়, অতঃপর মিথ্যা তৎক্ষণাৎ নিশ্চিহ্ন হয়ে যায়। তোমরা যা বলছ, তার জন্যে তোমাদের দুর্ভোগ। /// **Nay, We fling (send down) the truth (this Quran) against the falsehood (disbelief), so it destroys it, and behold, it (falsehood) is vanished. And woe to you for that (lie) which you ascribe (to Us) (against Allah,swt,by uttering that Allah,swt has a wife and a son).**/// नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!,.Al-Anbiyaa (21:18)